सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 310 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 24 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया सन्यास एक्स पर बोले- भारत के लिए खेलना सुकून भरा पल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रहे शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। 37 साल के शिखर धवन ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था। अपने 13 साल के करियर में वह 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

एक्स पर संन्यास का एलान करते हुए धवन ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि नमस्कार दोस्तों! आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा हूं, जहां से मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो ढेरों यादें नजर आती हैं और जब आगे देखता हूं तो पूरी दुनिया। मेरी हमेशा से एक ही मंजिल थी इंडिया के खेलना और ऐसा हुआ भी। इसके लिए मैं कई लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, मेरा परिवार, मेरे बचपन के कोच तारिक सिन्हा, मदन शर्मा, जिनके अंडर मैंने क्रिकेट सीखी। फिर मेरी टीम जिनके साथ मैं वर्षों तक खेला। एक नया परिवार मिला। नाम मिला। साथ मिला। ढेर सारा प्यार मिला। कहते हैं न कि कहानी में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटने जरूरी है। बस, मैं भी ऐसा करने जा रहा हूं। मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास का एलान कर रहा हूं। अब जब मैं इस क्रिकेट यात्रा को अलविदा कह रहा हूं कि तो मेरे दिल में एक सुकून है कि मैं लंबे समय तक देश के लिए खेला। मैं बीसीसीआई और डीडीसीए को भी शुक्रिया कहना चाहूंगा कि उन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। मैं अपने फैंस का भी शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे बहुत प्यार दिया। मैं बस खुद से यही कहता हूं कि तुम इस बात से दुखी मत हो कि अब तुम देश के लिए नहीं खेलोगे, बल्कि इससे खुश हो कि तुम देश के लिए बहुत खेले।

सुअरों की बीमारी से इनसान हलाकान

कोरोना के बाद कहर ढाने लगा स्वाइन फ्लू, लगातार बढ़ रहे पीड़ितों के आंकड़े, पखवाड़ेभर में आधा दर्जन मौतें

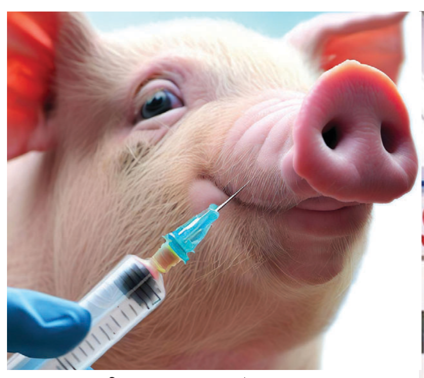

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। स्वाइन फ्लू जैसी सुअरों की बीमारी ने छत्तीसगढ़ में दस्तक देने के बाद कहर मचाना शुरू कर दिया है। राज्य में लगातार स्वाइन फ्लू के मरीज बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही मृतकों के आंकड़ों में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। पखवाड़ेभर में ही आधा दर्जन से ज्यादा लोग स्वाइन फ्लू का ग्रास बन चुके हैं। हालांकि राज्य की विष्णुदेव साय की अगुवाई वाली संवेदनशील सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड पर कर दिया है। जिलों के हॉस्पिटलों और मेडिकल कॉलेजों में आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं। सर्दी, खांसी और तेज बुखार के लक्षण वाले लोगों का स्वाइन फ्लू टेस्ट कराने की सलाह दी जा रही है।

24 घंटे में तीन मरीजों की मौत

पिछले 24 घंटे में राज्य में स्वाइन फ्लू से तीन मरीजों की मौत हो गई है, जबकि 15 दिनों में इस बीमारी से 6 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हसदेव एसईसीएल में कार्यरत कर्मचारी स्वाइन फ्लू से पीड़ित था। उसे उपचार के लिए अपोलो में दाखिल कराया गया था। बुधवार को कर्मचारी ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। राजनांदगांव में डायरिया के बाद स्वाइन फ्लू के संक्रमण से दो लोगों की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। स्वाइन फ्लू से डोंगरगढ़ के ग्राम बरनारा की चार वर्षीय चाहत मंडावी और गंडई के दिलीप रजक 37 वर्षीय की मौत हो गई है। इधर, कोरबा जिले में भी स्वाइन फ्लू ने पैर पसारना शुरू कर दिया है। जिले में हाल ही में स्वाइन फ्लू के 5 नए एक्टिव मरीज पाए गए थे। सभी का फिलहाल उपचार किया जा रहा है। ऐसे मरीजों के लिए अलग से आईसोलेशन वार्ड बनाया गया है। 20 बिस्तर वाले अलग से बेड तैयार किए गए हैं। इसके अलावा अलग से टीम भी बनाई गई है जो लगातार ऐसे मरीजों की निगरानी कर रही है। कोरबा के जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन.केसरी ने बताया कि स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य अमले ने लोगों को सचेत रहने को कहा है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ मौत का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में छत्तीसगढ़ में 3 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 15 दिन में 6 से ज्यादा लोगों की जान स्वाइन फ्लू ले चुका है। कुछ ही समय में राज्य में स्वाइन फ्लू के मरीजों का चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। राजनांदगांव, बिलासपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़, जांजगीर-चांपा जिले में सबसे ज्यादा स्वाइन फ्लू के केस मिले हैं। पूरे राज्य में 1 हफ्ते में 29 से ज्यादा नए मरीज मिले हैं, जिसमें से 26 मरीज तो अकेले बिलासपुर से हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है।

स्वाइन फ्लू के कारण राज्य में पिछले 15 दिनों में आधा दर्जन से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। 9 अगस्त को कोरिया जिले में एक 51 साल की महिला की मौत हुई। इसके बाद 10 अगस्त को जांजगीर-चांपा जिले में 66 साल की महिला की मौत हुई। 11 अगस्त को बिलासपुर जिले में भी एक महिला की स्वाइन फ्लू से मौत हो गई। 13 अगस्त को राजनांदगांव में 4 साल की बच्ची की मौत हो गई। 20 अगस्त को मनेंद्रगढ़ में 41 साल के व्यक्ति की स्वाइन फ्लू से मृत्यु हुई और 21 अगस्त को राजनांदगांव में 37 साल के युवक की मौत हो गई। स्वाइन फ्लू का दायरा बढ़ने के साथ ही छत्तीसगढ़ का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। डॉक्टरों का कहना है कि अगर किसी को सर्दी और तेज बुखार जैसी शिकायतें हों तो उन्हें तुरंत अस्पताल से संपर्क करने की सलाह दी जा रही है। जबकि लोगों को विशेष सावधानी बरतने को भी कहा गया है। राजनांदगांव और खैरागढ़ में सबसे ज्यादा मरीज मिले हैं। ऐसे में इन जिलों को सबसे ज्यादा सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

राजहरा में वृद्धा पॉजिटिव

बालोद जिले के दल्ली राजहरा के वार्ड क्रं. 4 की एक 66 वर्षीय वृद्धा में स्वाइन फ्लू के लक्षण मिले। महिला की स्वाइन फ्लू की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मरीज का इलाज एम्स में जारी है। बालोद जिले में स्वाइन फ्लू की दस्तक से स्वास्थ्य विभाग में हड़कम्प मचा हुआ है। स्वाइन फ्लू के अलावा, दल्लीराजहरा में 15 से अधिक डेंगू के मामले भी सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घर-घर जाकर जांच अभियान शुरू किया है और दवाइयों का छिड़काव भी किया जा रहा है। स्वाइन फ्लू पीड़िता के घर और आसपास के लोगों का भी टेस्ट किया जा रहा है। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर ने इन मामलों की पुष्टि की है और कहा है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम दिन-रात काम कर रही है ताकि बीमारी के प्रसार को नियंत्रित किया जा सके और जनता को सुरक्षित रखा जा सके।

क्या है स्वाइन फ्लू?

स्वाइन फ्लू एक वायरल इंफेक्शन है, जो मूल रूप से सुअरों से मनुष्यों में फैला। स्वाइन फ्लू एच1एन1 इन्फ्लूएंजा एक तरह का वायरस है। यह वायरस एक इंसान से दूसरे इंसान में फैल सकता है। नियमित इन्फ्लूएंजा और स्वाइन फ्लू के लक्षण बहुत मिलते-जुलते हैं। गर्मी और मानसून के मौसम में स्वाइन फ्लू के मामले बढ़ जाते हैं। इस बीमारी से बचाव के लिए कई वैक्सीन हैं। साथ ही इलाज के लिए कई तरह के एंटीवायरल उपचार भी मौजूद हैं। इसके अलावा हाइजीन का ख्याल रखकर और सर्जिकल मास्क पहनकर स्वाइन फ्लू से बचा जा सकता है। लक्षणों की बात करें तो बुखार आना, सिरदर्द, डायरिया, खांसी, छींक, ठंड लगना, गले में खराश, थकान और नासिका मार्ग ब्लॉक होना आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं। अध्ययनों के मुताबिक कुछ लोगों में स्वाइन फ्लू का खतरा अन्य की तुलना में ज्यादा होता है। गर्भवती महिलाएं, हृदय रोग के मरीज, डायबिटीज के मरीज, रेस्पिरेटरी समस्याएं जैसे निमोनिया से ग्रसित लोग, 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और 2 साल से छोटे बच्चे को स्वाइन फ्लू जल्द होने की संभावना रहती है।

ऐसे करें बचाव

खांसते और छींकते समय मुंह पर रूमाल रखें। मास्क का इस्तेमाल करें। भोजन करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से साबुन से धोएं। भरपूर मात्रा में स्वच्छ पानी पीएं और पौष्टिक आहार का सेवन करें। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने पर मास्क पहनें और हाथों को अच्छे से साफकरें। मरीजों से मिलते समय दूरी का ध्यान रखें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस गठबंधन पर मुख्यमंत्री साय ने साधा निशाना

एक्स पर बोले राहुल की विभाजनकारी मानसिकता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस व नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पार्टी व राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट कर राहुलगांधी को विभाजनकारी मानसिकता वाला बताया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा 'आर्टिकल 370 और 35' हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर में भी आरक्षण मिलना शुरू हुआ। लेकिन दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को उनका हक मिलना कांग्रेस को कभी भी रास नहीं आता है। इसीलिए कांग्रेस ने आरक्षण विरोधी नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन किया है जिसने घोषणापत्र में उल्लेखित दलितों, गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त करने वाले आरक्षण विरोधी प्रस्ताव पारित किया है। इसका समर्थन करते हुए कांग्रेस पार्टी द्वारा उसके साथ गठबंधन करना राहुल गांधी जी की विभाजनकारी मानसिकता को दर्शाता है।

सीएम साय ने कहा कि सत्ता के लालच में बार-बार देश की एकता और सुरक्षा के साथ खेलने वाली कांग्रेस ने 'नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर से अपने राष्ट्रविरोधी, आरक्षणद्रोही मंसूबों को देश के सामने रखा है। नेशनल कांफ्रेंस के घोषणा पत्र के वादों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दस सवालों का जवाब कांग्रेस को देना होगा। अगर राहुल गांधी जवाब नहीं दे पाए तो इससे फिर स्पष्ट होगा कि वे विभाजनकारी शक्तियों के कट्टर समर्थक हैं।

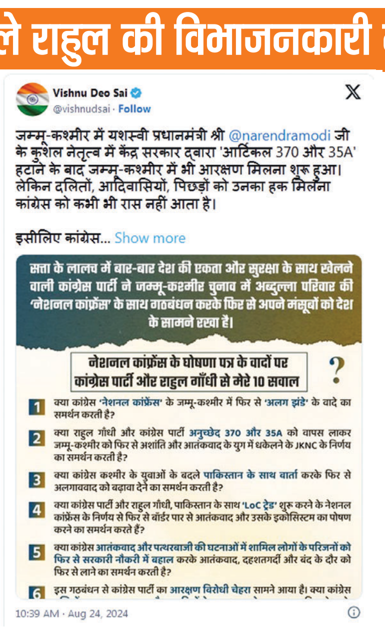
Vishnu Deo Sai
@vishnudsai · Follow

जम्मू-कश्मीर में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा 'आर्टिकल 370 और 35A' हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर में भी आरक्षण मिलना शुरू हुआ। लेकिन दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को उनका हक मिलना कांग्रेस को कभी भी रास नहीं आता है।

इसीलिए कांग्रेस... Show more

सत्ता के लालच में बार-बार देश की एकता और सुरक्षा के साथ खेलने वाली कांग्रेस पार्टी ने जम्मू-कश्मीर चुनाव में अब्दुल्ला परिवार की 'नेशनल कांफ्रेंस' के साथ गठबंधन करके फिर से अपने मंसूबों को देश के सामने रखा है।

नेशनल कांफ्रेंस के घोषणा पत्र के वादों पर कांग्रेस पार्टी और राहुल गाँधी से मेरे 10 सवाल

1. क्या कांग्रेस 'नेशनल कांफ्रेंस' के जम्मू-कश्मीर में फिर से 'अलग झंडे' के वादे का समर्थन करती है?
2. क्या राहुल गाँधी और कांग्रेस पार्टी अनुच्छेद 370 और 35A को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने के JKNC के निर्णय का समर्थन करती है?
3. क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है?
4. क्या कांग्रेस पार्टी और राहुल गाँधी, पाकिस्तान के साथ 'LoC ट्रेड' शुरू करने के नेशनल कांफ्रेंस के निर्णय से फिर से बॉर्डर पार से आतंकवाद और उसके इकोसिस्टम का पोषण करने का समर्थन करते हैं?
5. क्या कांग्रेस आतंकवाद और पत्थरबाजी की घटनाओं में शामिल लोगों के परिजनों को फिर से सरकारी नौकरी में बहाल करके आतंकवाद, दहशतगर्दी और बंद के दौर को फिर से लाने का समर्थन करती है?
6. इस गठबंधन से कांग्रेस पार्टी का आरक्षण विरोधी चेहरा सामने आया है। क्या कांग्रेस

10:39 AM · Aug 24, 2024

19 दिन के मेगा ब्लाक के चलते 52 यात्री ट्रेनें बंद

दमोह (एजेंसी)। दमोह रेलवे स्टेशन पर तीसरी रेलवे लाइन के नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते सोमवार से 19 दिन का मेगा ब्लॉक शुरू होगा। इसके कारण इस रूट पर चलने वाली 52 यात्री ट्रेनों को 26 अगस्त से 14 सितंबर तक निरस्त कर दिया गया है, जबकि 25 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित कर चलाया जाएगा। मेगा ब्लॉक के चलते बीना से दमोह के बीच यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को कल से इस रूट पर कोई ट्रेन नहीं मिलेगी। इन यात्रियों को या तो निजी वाहन या फिर बस से सफर करना होगा। अधिकारियों के अनुसार, इस रूट से केवल दयोदय और गोंडवाना ट्रेनें ही चलेंगी, जबकि राज्यरानी को भोपाल से सागर तक चलाया जाएगा। इस कारण इस रूट पर रोजाना अप-डाउन करने वाले यात्रियों को 19 दिन तक खासी मुसीबत झेलनी पड़ेगी। साथ ही बसों या अन्य साधनों से दो से तीन गुना अधिक किराया देकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ेगा।

दमोह से असलाना रेलवे स्टेशन तक तीसरी रेलवे लाइन का काम पूरा हो चुका है। कोपरा नदी के पुल के ऊपर भी पटरियां बिछाई जा चुकी हैं। रेलवे 16 किमी लंबे इस रेल रूट को चालू करने की तैयारी में जुटा है। इसी कारण मलैया रेलवे फाटक के पास से तीसरी लाइन को मेन लाइन से जोड़ने के लिए एनआई वर्क शुरू होना है। इसमें ट्रेनों की पटरियों को एक-दूसरे से जोड़ा जाता है ताकि ट्रेन एक पटरी से दूसरी पटरी पर जा सके। इसके अलावा, सिग्नल और अन्य सिस्टम भी बदले जाते हैं, जिसमें समय लगता है। एनआई वर्क पूरा होने के बाद रेलवे स्टेशन के कंट्रोल रूम को नई बिल्डिंग में शिफ्ट किया जाएगा, जहां से डिजिटली ट्रेनों का संचालन होगा। अभी तक दमोह में मैन्युअल सिस्टम से ट्रेनों का संचालन हो रहा है।

केवल यात्री ट्रेनें की गई निरस्त

नॉन-इंटरलॉकिंग के चलते रेलवे द्वारा केवल यात्री ट्रेनों को निरस्त किया गया है, जबकि मालगाड़ियां सुचारू रूप से चलेंगी। गौरतलब है कि बीना-कटनी रूट पर दिनभर में 80 से 90 मालगाड़ियां निकलती हैं, जिनमें ज्यादातर सिंगरौली, छत्तीसगढ़ से कोयले की ढुलाई होती है। इससे रेलवे को भरपूर मालभाड़ा मिलता है, जिससे मालगाड़ियों को नहीं रोका जा रहा है। केवल दमोह स्टेशन से निकलते समय उनकी स्पीड 5 से 10 किमी प्रति घंटे रहेगी।

निरस्त की गई यात्री ट्रेनें

दमोह-बीना, बीना-कटनी, इटारसी-भोपाल, बिलासपुर-भोपाल, कोटा-दानापुर, रीवा-डॉ. अंबेडकर नगर, भोपाल-सिंगरौली, रानी कमलापति-संतरागाछी, हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस, भागलपुर-अजमेर, संतरागाछी-अजमेर, शालीमार-भुज, दुर्ग-अजमेर, दुर्ग-जम्मूतवी एक्सप्रेस, दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन, विशाखापटनम-भगत की कोठी, डॉ. अंबेडकर नगर-पटना एक्सप्रेस, अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस, बांदा-गोरखपुर एक्सप्रेस, इंदौर-हावड़ा, उदयपुर-शालीमार, कोलकाता-अजमेर, बीकानेर-पुरी एक्सप्रेस, निजामुद्दीन-अंबिकापुर एक्सप्रेस। ये सभी ट्रेनें अप और डाउन दिशा में निरस्त रहेंगी।

नई सुविधा होगी शुरू

दमोह स्टेशन प्रबंधक मुकेश जैन ने बताया कि 26 अगस्त से नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते यात्री ट्रेन बंद रहेंगी। यात्रियों को परेशानी तो होगी, लेकिन तीसरी लाइन का जुड़ना भी बहुत जरूरी है। दमोह स्टेशन पर नई सुविधा भी शुरू हो जाएगी। अब नया कंट्रोल पैनल डिजिटल हो जाएगा।

दवाओं के 70 सैम्पल फेल, 156 पर लगाई रोक

श्रीकंचनपथ

यह है देश के दवा उद्योग का हाल। केन्द्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन ने एक अलर्ट जारी कर कहा है कि देश भर में दवाओं के कुल 70 सैंपल फेल हो गए हैं। इसमें हिमाचल प्रदेश में बनी उच्च रक्तचाप व मधुमेह की दवाओं के 21 सैंपल शामिल हैं। दवाओं के उस बैच के स्टॉक को भी बाजार से वापस मंगा लिया गया है। इस बीच एक खबर और है कि सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं के निर्माण, वितरण तथा बिक्री पर रोक लगा दी है। एक ही गोली में एक से अधिक दवाओं को मिलाकर बनाई गई दवा फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स कहलाती है। इन्हें कॉकटेल ड्रग्स के नाम से भी जाना जाता है। सरकार ने ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिशों पर यह आदेश जारी किया है। बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इन एफडीसी दवाओं में मौजूद तत्वों का कोई चिकित्सकीय औचित्य नहीं है। और यह सब हो रहा है ओटीटी पर फिल्म 'पिल' के आने के बाद। 12 जुलाई को रिलीज हुई 'पिल' एक गोली के निर्माण से लेकर उसके उपभोक्ता तक पहुंचने के सफर को दर्शाती है, जिसमें शक्तिशाली फार्मा उद्योगपति, भ्रष्ट डॉक्टर, मेडिकल प्रतिनिधि, समझौतावादी दवा नियामक, राजनेता, पत्रकार और मुखबिर सहित विविध चरित्र शामिल हैं। फिल्म बताती है कि देश के बाजारों में घटिया स्तर की दवाइयों से लेकर बेअसर दवाइयां, नकली दवाइयां सबकुछ किस तरह आसानी से बिक जाती हैं। किस तरह बिना क्लिनिकल ट्रायल के दवाइयों को अप्रूवल मिल जाता है। उनका निर्माण और बिक्री शुरू हो जाती है। जिस देश में समोसा तक बनाने-बेचने के लिए लाइसेंस लगता हो वहां दवाइयों के निर्माण के लिए शर्तें कितनी कड़ी होंगी, यह कहने की जरूरत नहीं है। बावजूद इसके लगभग प्रतिदिन नए-नए कॉम्बिनेशन अप्रूव हो रहे हैं। इन्हीं कॉम्बिनेशन की दवाओं को खपाने के लिए फार्मा उद्योग के प्रतिनिधि दिन भर डाक्टरों के क्लिनिक और ओपीडी में चक्कर काटते रहते हैं। फिर एक दिन अचानक सरकार को लगता है कि इन दवाओं में मिलाई गई कुछ चीजें औचित्यहीन हैं। वह दवाओं का निर्माण रोकने का आदेश देती है और जो दवाइयां बाजार में चली गई हैं उन्हें भी वापस मंगवाने के लिए कहती है। इसके बाद दवा उद्योग का आदमी ब्रीफकेस लेकर दिल्ली दौड़ता है। कुछ ऐसा ही खेल है सैम्पल फेल होना का। घटिया दवाइयां दो तरह की हो सकती हैं। पहली तो नकली जिसमें दवा होती ही नहीं है। दूसरा असरहीन जिसमें दवा घोषित मात्रा से बहुत कम होती है। एक और किस्म है खतरनाक। ये दवाइयां सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। कुछ दवाइयां ओवर द काउंटर थोक में बिकती हैं। इनमें बुखार, बदन दर्द, एसिडिटी, बीपी और शुगर की दवाइयां शामिल हैं। हिमाचल में जो सैम्पल फेल हुए उनमें बीपी और शुगर की दवाइयां भी हैं। इन दवाओं का महज बेअसर होना ही मरीज की मौत का कारण बन सकता है।

संपादकीय

जरूरी भूमि सर्वे

बिहार में शुरू हुआ भूमि सर्वेक्षण कार्य प्रशंसनीय और स्वागतयोग्य है। देश के ज्यादातर राज्यों में भूमि सुधार का कार्य पूरा हो चुका है, पर बिहार में दशकों से इसका इंतजार रहा है। वैसे राज्य के 20 जिलों के 89 अंचलों में सर्वेक्षण पहले से चल रहा था, जो अब लगभग पूरा होने को है और बचे हुए 445 अंचलों में सर्वे अब शुरू हुआ है। गौर करने की बात है कि अमीन, कानून गो और सहायक बंदोबस्त पदाधिकारियों की कमी की वजह से इन अंचलों में सर्वेक्षण का काम रुका हुआ था। इन पदों पर संविदाकर्मियों की बहाली हुई है, जिन्हें प्रशिक्षण के बाद भूमि सर्वेक्षण कार्य में तैनात कर दिया गया है।

> वैसे तो बिहार में काफी हद तक भूमि विवरण का डिजिटलीकरण हो चुका है और काफी कुछ ऑनलाइन उपलब्ध है, मगर जब संपूर्ण भूमि सर्वे संपन्न हो जाएगा, तब एक-एक भूखंड के बारे में जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध हो जाएगी। जमाबंदियों में सुधार की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार साल 2025 में राज्य विधानसभा चुनाव से पहले ही सर्वे को पूरा करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने आदेश के साथ ही अधिकारियों से एक तरह से हाथ जोड़कर आग्रह भी किया है कि भूमि सर्वेक्षण में तेजी लाई जाए।

वास्तव में, बिहार में भूमि सर्वेक्षण के काम को कभी गंभीरता से नहीं लिया गया। भूमि संबंधी रिकॉर्ड लोगों के भरोसे ही चल रहे हैं। गांवों में जाकर रिकॉर्ड सुधारने का काम पहले ही हो जाना चाहिए था, पर इच्छाशक्ति की कमी के साथ ही, कर्मचारियों की कमी भी एक बड़ा बहाना बनती आ रही थी। सर्वे को उसके अंजाम तक पहुंचाने के लिए अब करीब 9,888 लोगों को नियुक्ति दी गई है। हालांकि, सावधान रहना होगा कि सर्वे का काम अनुभवी लोगों के नेतृत्व में ही संपन्न हो। बड़े अधिकारियों के साथ ही छोटे कर्मचारियों को भी पूरी ईमानदारी से इस काम को अंजाम देना चाहिए। सर्वे समाधान के लिए है, इसे समस्या बढ़ाने वाला काम नहीं बनाना चाहिए। यह सर्वेक्षण बिहार राज्य की एक बड़ी सेवा है। बिहार में 60 प्रतिशत अपराध भूमि संबंधी विवाद की वजह से होते हैं। आए दिन हत्या-हिंसा की घटनाएं होती हैं। अब जब भूमि संबंधी कागजात दुरुस्त कर दिए जाएंगे, तब धांधली या गलत दावेदारी की आशंका भी घटेगी। अफसोस, विगत दशकों में गांव-गांव में भूमि की खरीद-फरोख्त के ऐसे दलाल पैदा हो गए हैं, जिन्हें सिर्फ दलाली खाने से मतलब है, सही-गलत से नहीं। दलाली के लालच में वे फर्जी कागजों का अंबार लगा सकते हैं। ऐसे मामले बहुत हैं, जब दलालों ने फर्जीवाड़े से सौदा करवा दिया, दलाली वसूल ली और अब खरीदने-बेचने वाले अदालतों में चप्पलें घिस रहे हैं।

हमें यह भी देखना होगा कि भूमि संबंधी विभाग के अनेक अधिकारी-कर्मचारी दूध के धुले नहीं हैं। बेशक, भूमि संबंधी कागजात के पुख्ता हो जाने पर विवादों में कमी आएगी, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सर्वे का काम पूरी ईमानदारी से हो। सरकार को ध्यान रखना होगा कि सर्वे के कार्य में भू-दलालों की किसी भी प्रकार की भूमिका न हो। किसी परिवार या व्यक्ति की जमीन किसी गलत व्यक्ति के नाम से न चढ़ जाए। सर्वे कर्मियों के पास अनेक स्रोतों से सूचनाएं आएंगी, लेकिन उन्हें जांच-परखकर ही तथ्य दर्ज करना है, तभी यह सर्वे बिहार जैसे राज्य में समाधान और विकास की वजह बनेगा।

दलित वोटों की लड़ाई में सपा-बसपा आमने-सामने

अजय कुमार

मोदी सरकार ने उच्च पदों पर नौकरियों में सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का अपना एक फैसला क्या वापस लिया, विपक्ष ने इसे मोदी को घेरने का हथियार बना लिया। पूरा विपक्ष अपनी पीठ ठोंक रहा है। पीठ ठोंकने वालों में यूपी के नेता मायावती और अखिलेश यादव सबसे आगे नजर आ रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को तो लगता है कि इससे यूपी की राजनीति की धुरी ही बदल जायेगी। बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई थी कि उनके तीव्र विरोध के बाद सरकार ने सीधी भर्ती वाला निर्णय वापस लिया है। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि पिछले दरवाजे से आरक्षण को नकारते हुए नियुक्तियों की साजिश आखिरकार पीडीए की एकता के आगे झुक गई। मतलब यह है कि फैसला केंद्र ने वापस लिया लेकिन अखिलेश और मायावती खुद इसका क्रेडिट ले रहे हैं। वैसे सियासत इसी को कहा जाता है।

वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि परस्पर विरोधी बसपा और सपा नेताओं के सुर एक जैसे सुनाई पड़ रहे हों, इसी तरह के सुर आरक्षण में वर्गीकरण के मुद्दे पर भी देखने को मिले थे, जब बसपा ने बंद का समर्थन किया तो अखिलेश ने भी तुरंत इसके समर्थन में पोस्ट लिख कर अपना पक्ष रख दियस। बात यहीं तक सीमित नहीं है, आरक्षण से जुड़े हर मुद्दे पर मायावती और अखिलेश लगातार आक्रामक दिख रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि आरक्षण के मुद्दे पर दोनों के सुर एक हैं? या दोनों के बीच एक रेस लगी हुई है कि दलितों और पिछड़ों का ज्यादा हितैषी कौन है? आखिर इस मुद्दे के जरिए मायावती और अखिलेश कौन-सी राजनीति साध रहे हैं? इस तमाम सवालों का जवाब समझने के लिए पिछले लोकसभा चुनाव से पहले की स्थितियों और नतीजों पर गौर करना जरूरी है। यूं तो संविधान और आरक्षण बसपा का कोर मुद्दा रहे हैं लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव से पहले सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करके पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) का जो नारा और इंडिया गठबंधन में शामिल होकर संविधान की रक्षा का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया था,उसका फायदा जब इंडिया गठबंधन को मिला तो बसपा सुप्रीमों को अपना राजनैतिक भविष्य अंधकार में नजर आने लगा। इससे पहले मायावती को भी यह उम्मीद नहीं थी कि सपा का यह दांव इतना अधिक कारगर होगा। नतीजे आए तो सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटें जीत लीं। साथ में कांग्रेस को भी छह सीटों पर जीत हासिल हुई और बसपा का सफाया हो गया। वोट प्रतिशत भी खिसक कर मात्र करीब साढ़े नौ प्रतिशत पर आ गया। इससे साफ हो गया कि सपा के द्वारा बसपा के दलित वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी कर ली गई है। तब से मायावती की एक ही कोशिश है कि किसी तरह अपना दलित वोटबैंक वापस लाया जाए। इसके लिए मायावती लगातार दलित हितों से जुड़े मुद्दे उठा रही हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण पर अपना मत दिया, तो मायावती की उम्मीद को पंख लग गये। मायावती ने तुरंत इस मुद्दे को लपक लिए। सबसे पहले उनकी प्रतिक्रिया आई। इसे पूरी तरह गलत ठहराते हुए उन्होंने भाजपा के साथ ही सपा-कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों को भी घेरना शुरू कर दिया। वह संसद में संविधान संशोधन लाने की मांग पर अड़ गईं। इस मुद्दे पर उन्होंने दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सोशल मीडिया के जरिए कई बयान दिए।

शुरुआत में कांग्रेस ने इस पर सधी प्रतिक्रिया दी, लेकिन मायावती के आक्रामक रुख को देखते हुए सपा ने भी खुलकर मोर्चा खोल लिया। इसी बीच 69,000 शिक्षक भर्ती का मामला भी उठा,जिस पर सपा और बसपा दोनों ही आक्रामक दिखे। अखिलेश यादव को लगा कि अब यदि चुप रहे तो पिछले लोकसभा चुनाव में जो दलित वर्ग उनके साथ जुड़ा है, कहीं वापस बसपा में न चला जाए। उन्होंने सीधी भर्ती के मामले में 2 अक्टूबर को आंदोलन का ऐलान भी कर दिया। मायावती भी अपने बयानों के जरिए इस मुद्दे पर आक्रामक रूख बनाये हुए हैं। लब्बोलुआब यह है कि सपा और बसपा नेता लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि दलितों के असली हितैषी वही हैं। बसपा ने लोकसभा चुनाव के बाद कमिटियों का नए सिरे से गठन किया है। उनमें भी साफ झलक देखने को मिली कि दलितों को ज्यादा तवज्जो दी जा रही है। वहीं, अखिलेश यादव भी लोकसभा चुनाव के बाद फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद को आगे बढ़ा रहे हैं। संसद से लेकर सार्वजनिक मंचों तक वह अवधेश प्रसाद के साथ नजर आते हैं। संसद में भी अवधेश प्रसाद को लोकसभा में अधिष्ठाता मंडल का सदस्य बनवाया गया। मायावती की तरह मंचों से आंबेडकर और कांशीराम का नाम अक्सर लेते हैं। दरअसल, अभी यूपी में विधान सभा उपचुनाव होने हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

भारत को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए हम कितने तैयार

ओलंपिक खेलों में आपका सबसे यादगार पल कौन सा था? मेरा सबसे यादगार पल ऑस्ट्रियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का पुरुष स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक जीतना था। अपने लंबे करियर में उन्होंने 24 ग्रैंड स्लैम जीते हैं, पर एक ओलंपिक स्वर्ण पदक की कमी थी।

बीजू डोमिनिक, सीईओ,
फाइनल माइल कंसल्टिंग

ओलंपिक से कुछ ही सप्ताह पहले विंबलडन के फाइनल में उन्हें एक बहुत नए प्रतिद्वंद्वी ने हरा दिया, पर जोकोविच अपने सपने को छोड़ने को तैयार नहीं हुए। हार के अगले ही दिन वह अभ्यास में लग गए। एक व्यक्ति जिसने टेनिस के खेल में आने वाली लगभग हर चुनौती को जीत लिया है, वह फिर से जीतने के लिए इतना लालायित कैसे हो सकता है और वह भी 37 साल की उम्र में? नतीजा, वह आखिरकार सफल हुए।

जिंदगी में इतना कुछ हासिल करने के बावजूद कड़ी मेहनत की यह इच्छा असाधारण से कतई कम नहीं है। क्या अथक परिश्रम के इस जुनून को कहीं और दोहराया जा सकता है? क्या अपने काम के प्रति या देश के स्तर पर किसी सेवा के प्रति ऐसे ही जज्बे और नजरिये के साथ आगे बढ़ना मुमकिन है? भारतीय अर्थव्यवस्था 1990 के दशक से ही तेजी से विकास पथ पर अग्रसर है। यह अब दुनिया की सबसे तेज बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था में शुमार है। देश वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कोई शक नहीं कि भारत की वर्तमान विकास दर कई दूरदर्शी लोगों के बेहतर काम का फल है, जिन्होंने बड़ी व्यावसायिक कामयाबी के ख्वाब देखे थे। मिसाल के लिए, आप यहां उस महान व्यक्ति के साहस-दुस्साहस की कल्पना करें, जिन्होंने दूध से भरपूर देश बनाने के बारे में सोचा था। उस व्यक्ति के बारे में सोचें, जिन्होंने फोन कॉल को एक अंतर्देशीय पत्र जितना सस्ता बनाने का सपना देखा था या उन इंजीनियरों के साहस की कल्पना करें, जिन्होंने कभी दुनिया की सभी सॉफ्टवेयर जरूरतों को पूरा करने का सपना देखा था। गौर से देखें, तो आपको एहसास होगा कि ये सभी उद्यमी अभाव की गहराइयों में भी व्यवसाय के अवसर तलाश रहे थे।

याद कीजिए, आजादी के समय भारत दुनिया के सबसे गरीब देशों में एक था। बहुत जरूरी चीजों का भी अभाव था। अनाज और दूध की कमी थी। केरोसिन की दुकानों या सार्वजनिक नलों पर पानी के लिए लंबी कतारें आम हुआ करती थीं। लैंडलाइन फोन रखना ख्वाब सरीखा था। दरिद्रता की सूची अंतहीन थी। इनमें से किसी भी जरूरी वस्तु का निर्माण हमारे लिए एक व्यावसायिक अवसर से कहीं अधिक था। बहुत मेहनत से भारत में बहुत कुछ बदला है। अभाव के दिनों से निकलकर देश अनेक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर है। आज हवाई अड्डों पर वैसी ही भीड़ है, जैसी 1990 के दशक में रेलवे स्टेशनों पर होती थी। भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान और डिजिटल जैसे क्षेत्रों में झंडे गाड़ने शुरू कर दिए हैं। हम भारतीय पिछली पीढ़ियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत का लाभ उठा रहे हैं। पुरानी पीढ़ी जीवित रहने के लिए काम करती थी और आज की पीढ़ी अवकाश लेने में सक्षम है। हालांकि, यहां एक खतरा है। हमें कछुए और खरगोश की कहानी ध्यान में रखनी चाहिए। हम यह कैसे सुनिश्चित करें कि आराम की जरूरत हमारी संस्कृति का हिस्सा न बन पाए? इंफोसिस के सह-संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति ने युवा पीढ़ी से सप्ताह में 70 घंटे काम करने का आह्वान किया था। वह जागने और मेहनत के फायदे जानते थे, पर उनका संदेश लोगों में पर्याप्त ऊर्जा का संचार नहीं कर सका।

यहां हमें जोकोविच से कुछ सीखने की जरूरत है। कभी हार न मानना और खूब मेहनत करना। महान मकसद से ही महान कोशिशें पैदा होती हैं। सफलतम खिलाड़ी होने के बावजूद जोकोविच ने अपने देश के लिए एक ओलंपिक स्वर्ण जीतने का लक्ष्य बनाए रखा। सोचिए, आज भारत के सामने क्या ऊंचे लक्ष्य हैं? दुग्ध क्रांति सहकारी आंदोलन की कामयाबी पर संभव हुई थी। 1980 के दशक के बाद शेयर बाजार की संस्कृति ने देश में व्यापार के पुनरोत्थान को बढ़ावा दिया। हमने अपनी आबादी की ताकत पर ही सॉफ्टवेयर क्षेत्र में नेतृत्व किया। आज भारत के भविष्य की नींव तैयार है। अब तो बस एक ही सवाल रह गया है। ऐसे कौन से लक्ष्य हैं, जो भारतीयों को अभी से ही मेहनत के मैदान में पसीना बहाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नाम बड़ा रख देने से आयोजन बड़ा नहीं हो जाता...

सुनील दास

कई लोग सोचते हैं कि आयोजन का नाम बड़ा रख देने से आयोजन भी बड़ा हो जाता है।ऐसा होता नहीं है। भारत बंद ऐसा ही बड़ा आयोजन है।कई संगठन सोचते हैं कि वह भारत बंद के आयोजन का ऐलान करेंगे और पूरा भारत बंद हो जाएगा। भारत बंद हकीकत में बहुत बड़ा आयोजन होता है। राष्ट्रीय दलों का भारत बंद भी पूरा सफल नहीं होता है।

इसके लिए सबसे पहले तो राष्ट्रीय दल का हर प्रदेश, हर शहर मे संगठन होना चाहिए। बगैर संगठन के कोई बंद सफल नहीं होता है। इसके बाद दूसरे संगठनों का समर्थन जुटाना पड़ता है जैसे व्यापारिक संगठन,सामाजिक संगठन, राजनीतिक संगठन, कर्मचारी संगठन,ये सारे संगठन समर्थन करते हैं तो शहरों में बंद सफल होता है, गांव,कस्बे में सफल नहीं होता है।व्यापारिक संगठन तो होने वाले नुकसान के कारण किसी किसी बंद का का समर्थन करते हैं इसलिए ज्यादातर बंद सफल ही नहीं होते हैं। वर्तमान में तो सुबह के वक्त दुकानें नहीं खुलती हैं तो बंद को सफल मान लिया जाता है।

एससी,एससी के राष्ट्रीय संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट के कोटे के अंदर कोटे के फैसले के विरोध में भारत बंद का आव्हान किया था। यह ऐसे संगठन हैं जिनके सभी राज्यों में संगठन भी नहीं है। संगठन है भी सदस्य संख्या इतनी नहीं होती है कि वह किसी राज्य में बंद को सफल बना सके। वह वहीं प्रदर्शन कर सकते हैं जहां उनका संगठन है। वहीं बंद करा सकते हैं जहां उनका संगठन है। यही वजह है कि उनका भारत बंद कहीं सफल रहा और कहीं उसका कोई असर नहीं रहा। राज्यों में दुकानें खुली रहीं, स्कूल कालेज खुले रहे, बसें, टैक्सी चलती रहीं, बाजार खुले रहे तो उसे बंद तो माना नहीं जाता है। सुबह दुकान,बाजार बंद रहे और शाम को खुल जाएं तो संगठन उसे सफल बता सकते हैं लेकिन जनता व मीडिया उसे पूरा सफल नहीं मानता है।

चाहे सामाजिक संगठन हो, राजनीतिक संगठन हों उनको भारत बंद का आयोजन तो करना नहीं चाहिए क्योंकि आजकल भारत बंद होता ही नहीं है। क्योंकि वह ऐसा मुद्दा ही नहीं उठाते हैं कि जनता उनका खुशी खुशी समर्थन करे।व्यापारी खुशी खुशी दुकान बंद रखे।अब कुछ संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में बंद किया तो इससे देश की 100 प्रतिशत आबादी कैसे जुड़ सकती है।क्योंकि भारत का आह्वान करने वाले एससी 15 प्रतिशत है और एस्टी 7.5 प्रतिशत है, यानी कुल मिलाकर भारत बंद 22.5 प्रतिशत का नेतृत्व करने वाले लोग कर रहे है और 77.5 प्रतिशत लोग उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं तो भारत बंद सफल कैसे हो सकता है।

और बारीकी से सोचें तो 22.5 प्रतिशत लोग भी पूरे के पूरे भारत बंद के साथ नहीं है जैसे वाल्मीकि समाज ने भारत बंद का विरोध किया। जो लोग क्रीमी लेयर को बनाए रखना चाहते हैं,आरक्षण से वंचित लोग उनका समर्थन कैसे कर सकते हैं। कोई माने या न माने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद चाहे वह एससी समाज हो या एसटी समाज हो वह अपने आप दो भागों मं बंट गया है। उनके बीच एक रेखा खींच गई हैं। एक तरफ बरसों से आरक्षण का लाभ उठाने वाले हैं, दूसरी तरफ आरक्षण से वंचित लोग हैं।

कड़वी सचाई यह है कि बरसों से आरक्षण का लाभ उठाने वाले लोग हर तरह से शक्तिशाली हो गए है,वह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक हर तरह से शक्तिशाली हैं और वही उन लोगों का नेतूत्व भी करते है, जो हर तरह से कमजोर व आरक्षण से वंचित है।फिर कमजोर व आरक्षण से वंचित लोगों की पहुंच मीडिया तक नहीं है तो वह क्या सोच रहे हैं, इसका पता भी नहीं चलता, हर तरह से शक्तिशाली वर्ग की पहुंच ही मीडिया तक होती है, इसलिए वह क्या सोच रहा है,वह क्या कर रहा है,इसका पता मीडिया के जरिए पता चलता है। इससे वह यह धारणा बनाने में सफल हो जाता है कि हम जो सोच रहे हैं,वही पूरा एससी, एसटी वर्ग सोच रहा है, हमारी सोच पूरे वर्ग की सोच है।

हकीकत में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब ऐसा नहीं है। समाज बंट गया है. दोनों हिस्सों की सोच अलग होगी। एक हिस्सा सोच रहा है कि जो आरक्षण हमे मिल रहा है, वह हमें मिलते रहना चाहिए, एक हिस्सा सोच रहा होगा कि अब हमें आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हुआ है तो वह हमें जरूर मिलना चाहिए। उसकी स्पष्ट आवाज अभी सुनाई नहीं दे रही है लेकिन आने वाले दिनों में यह आवाज भी सुनाई देगी। अभी उसके नेता सामने नहीं आए हैं जिस दिन सामने आ जाएंगे,वह यही कहेंगे कि हमारा आरक्षण का हक हमको मिलना चाहिए।

अभी आरक्षण का लाभ जिनको मिल रहा है, उनके पास नेता हैं,वे ही बोल रहे हैं,विरोध कर रहे हैं। गैर भाजपा दलों में कांग्रेस, सपा, राजद, बसपा आदि संगठनों ने भारत बंद का समर्थन तो किया है लेकिन उनके साथ बंद में सहयोग नहीं किया। क्योंकि वह पूरे दलित व आदिवासी समाज का सहयोग चाहते हैं। वह उनको नाराज नहीं करना चाहते जिनको आरक्षण मिल रहा है और उनको भी नाराज नहीं करना चाहते जिनको आरक्षण नहीं मिल रहा है।

आरक्षित वर्ग के नेताओं की तरह ही गैर भाजपा राजनीतिक दलों के नेता भी नहीं चाहते हैं कि दलित व आदिवासी वोट बैंक दो हिस्सों में बंट जाए क्योंकि इससे तो उसको नुकसान होगा। समाज का एक हिस्सा वोट देगा तो दूसरा हिस्सा वोट नहीं देगा। यानी उनको मिलने वाला वोट कम हो जाएगा, इससे तो वह और चुनाव नहीं जीत सकेगा। कहां गैर भाजपा राजनीतिक दल आरक्षण के नाम पर दलित व आदिवासी समाज को डरा रहे थे, एकजुट करने का प्रयास कर रहे थे कि भाजपा आरक्षण समाप्त कर देगी।अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उनको दलित व आदिवासी समाज को एकजुट करने का प्रयास पहले करना होगा और यह विपक्ष के लिए आनेवाले दिनों में चुनाव जीतने से भी ज्यादा मुश्किल काम होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

देशभर के डॉक्टर गुस्से में

कोलकाता में मशहूर अस्पताल में अगर महिला डॉक्टर सुरक्षित नहीं हैं, तो क्या उसकी सीधी जिम्मेदारी राज्य सरकार एवं उसके प्रशासन पर नहीं आती? इस सवाल का सीधा उत्तर देने के बजाय उग्र बातें करना कोई समाधान नहीं हो सकता।

कोलकाता को अपने 'निर्भया क्षण' से गुजरना पड़ रहा है। वहां के मशहूर आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और फिर उनकी हत्या के मामले ने सारे देश को झकझोर दिया है। सोमवार को देश भर में डॉक्टरों ने विरोध दिवस मनाया। लोगों के भड़के गुस्से के कारण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी पुलिस को चेतावनी देनी पड़ी है कि हफ्ते भर के अंदर उसने मामला नहीं सुलझाया, तो वे जांच सीबीआई को सौंप देंगी। उधर उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख नेता अभिषेक बनर्जी ने तो मांग कर दी है कि ऐसे जुर्म में शामिल अपराधियों को एनकाउंटर करने का कानून बनाया जाना चाहिए। उनका एनकाउंटर करने से मतलब शायद यही है कि जिस पर मुजरिम होने का शक हो, उसे सीधे गोली मार दी जाए। भारत में पिछले डेढ़ दशक से बनी राजनीतिक संस्कृति में ऐसी बातें स्वीकार्य हो गई हैं। वरना, इस तरह की सोच कानून के राज के मूलभूत सिद्धांत के विरुद्ध हैं और अक्सर ऐसी बातें प्रशासनिक नाकामी पर परदा डालने के लिए कही जाती हैं।

मुद्दा यह है कि अगर कोलकाता में एक महिला डॉक्टर सुरक्षित नहीं है, तो क्या उसकी सीधी जिम्मेदारी राज्य सरकार एवं उसके प्रशासन पर नहीं आती है? इस सवाल का सीधा उत्तर देने के बजाय उग्र बातें करना कोई समाधान नहीं हो सकता। गौरतलब है कि आरजी कार मेडिकल कॉलेज पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक है। 26 एकड़ में फैले इस अस्पताल में मरीजों को भर्ती करने के लिए 1200 बिस्तर हैं, जबकि ओपीडी में औसतन 2500 मरीज़ रोजाना आते हैं। इसके अलावा इमरजेंसी विभाग में भी एक हज़ार से अधिक मरीज़ रोज पहुंचते हैं। मगर वहां डॉक्टर तक सुरक्षित नहीं हैं। लाजिमी है कि इस घटना के बाद से देशभर के डॉक्टर गुस्से में हैं।

सोमवार तक इस मामले में पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त सीधे तौर पर अस्पताल से नहीं जुड़ा है। वह कोलकाता पुलिस के साथ काम करने वाला एक वॉलंटियर रहा है। जाहिर है, कोलकाता पुलिस नाराजगी के निशाने पर है।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

यूक्रेन को यकीन दिलाने की यात्रा

हर्ष वी पंत,
प्रोफेसर,किंग्स कॉलेज लंदन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन यात्रा को दुनिया के कई हिस्सों में बहुत करीब से देखा जा रहा है। खुद कीव भी इस यात्रा को लेकर काफी उत्साहित है, क्योंकि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा है। उल्लेखनीय यह भी है कि जुलाई में जब प्रधानमंत्री रूस में थे, तब यूक्रेन ने उनकी आलोचना की थी। उसका कहना था कि मॉस्को जब कीव पर इतनी बर्बरता कर रहा है, तो भारत भला कैसे उसे अपना समर्थन दे सकता है? जाहिर है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन पहुंचकर उसकी यह शिकायत दूर कर रहे हैं कि मॉस्को से पुरानी दोस्ती के कारण रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत एकतरफा भूमिका निभाता दिख रहा है।

देखा जाए, तो इस युद्ध को लेकर भारत का मत शुरू से ही स्पष्ट रहा है। हम युद्ध का अंत बातचीत की मेज पर चाहते हैं और संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता जैसे अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी सिद्धांतों को हर हाल में सुनिश्चित करना चाहते हैं। भारत ने सार्वजनिक तौर पर भले रूस की आलोचना नहीं की, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी मॉस्को यात्रा में सबके सामने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यह जरूर कहा कि यह समय युद्ध का नहीं है और हमें भू-राजनीतिक मसलों का हल गोली-बारूद से नहीं निकालना चाहिए। भारत चूंकि दोनों पक्षों में आपसी बातचीत के जरिये युद्ध का समाधान चाहता है, इसलिए 15-16 जून, 2024 को स्विट्जरलैंड में यूक्रेन मसले का हल निकालने के लिए बुलाए गए अंतरराष्ट्रीय शांति शिखर सम्मेलन में हमने हिस्सा नहीं लिया, क्योंकि उसमें रूस को नहीं बुलाया गया था। प्रधानमंत्री की रूस यात्रा का भी जब पश्चिमी देश विरोध कर रहे थे, तब भी हमने यही कहा था कि भारत इस युद्ध को लेकर अपने स्थापित सिद्धांत पर ही आगे बढ़ रहा है और हम किसी के दबाव में अपनी विदेश नीति नहीं तय करते।

बहरहाल, यूक्रेन यात्रा से पहले प्रधानमंत्री पोलैंड में थे, जहां उन्होंने व्यापार, तकनीक और रक्षा संबंधों का खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने वहां भारतवंशियों से भी मुलाकात की और पोलैंड को लेकर नई नीतियों का खाका खींचने पर जोर दिया। यह करना जरूरी भी था, क्योंकि पोलैंड मध्य यूरोप का एक अहम देश है। तेज विकास दर के कारण इसे पश्चिम की 'टाइगर इकोनॉमी' कहा जाता है और यूरोप में इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। यह अंतरराष्ट्रीय मसलों पर यूरोप के पारंपरिक रुख से इतर अपनी राय रखता है। यूक्रेन संकट पर भी यह लगातार मुखर है और यूरोप के अगुवा देशों में स्थान बनाने को तत्पर है। चूंकि मध्य यूरोप भारत के लिए अहमियत रखता है, इसलिए पोलैंड के साथ करीबी हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। भू-राजनीति भी हमें पोलैंड के नजदीक ले जाती है।

उल्लेखनीय है कि भू-राजनीतिक मसलों पर भारत सिर्फ अपना हित नहीं देखता, बल्कि विकासशील व गरीब देशों का रुख भी सामने रखता है। यही कारण है कि हम वैश्विक दक्षिण, यानी 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज बन रहे हैं। चाहे यूक्रेन संकट हो या इजरायल-हमास युद्ध, भारत का रुख इस दायित्व से भी प्रभावित रहा है। इस समय जब दुनिया के तमाम बड़े देश आपस में जूझ रहे हैं, तब गरीब व विकासशील देशों की आवाज बमुश्किल वैश्विक मंचों पर जगह बना पा रही है। ऐसे में, अंतरराष्ट्रीय जगत में अपने बढ़ते कद का लाभ उठाकर भारत उनकी स्वाभाविक सशक्त आवाज बन रहा है। यूक्रेन युद्ध को जल्द खत्म कराने को लेकर भारत यदि तत्परता दिखा रहा है, तो उसकी एक वजह उस पर 'ग्लोबल साउथ' की महती जिम्मेदारी का होना है।

कहा यह भी जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन किसी खास शांति मिशन के तहत जा रहे हैं। ऐसा कहने वाले इस तथ्य से अनजान हैं कि इस युद्ध को लेकर भारत का नजरिया स्पष्ट है। वह इसके तमाम भागीदारों को बातचीत की मेज पर बिठाकर मामला सुलझाने का पक्षधर है। हां, नई दिल्ली इस बात से भी वाकिफ है कि अगर यह संकट और लंबा चला, तो इसका जो प्रतिकूल असर विकासशील देशों व ग्लोबल साउथ पर हो रहा है, उसे नजरंदाज करना मुश्किल हो जाएगा। इसके साथ-साथ, भारत यह भी स्पष्ट करना चाहता है कि वह किसी के दबाव में नीतियां नहीं बना रहा। अपने सामरिक, आर्थिक और रक्षा संबंधों को बरकरार रखते हुए प्रधानमंत्री मोदी यदि रूस जा सकते हैं, तो पोलैंड और यूक्रेन जाकर वह यह भी संदेश देने से नहीं चूकना चाहते कि दोनों पक्षों से वह लगातार संपर्क में हैं। असलियत भी यही है कि भारत उन चंद देशों में एक है, जिसके तार सभी तरफ से जुड़े हुए हैं। हम पश्चिमी देशों के भी उतने ही करीब हैं, जितने रूस के। भारत मौजूदा ध्रुवीकरण को पाटने की हरसंभव कोशिश कर रहा है, जिसका नमूना हमें प्रधानमंत्री की पोलैंड और यूक्रेन यात्रा में दिख रहा है।

यहां गुटनिरपेक्षता जैसे सिद्धांत बेमानी साबित हो रहे हैं। वैसे, इस नीति को भारत काफी पहले तिलांजलि दे चुका है। गुटनिरपेक्षता के मुताबिक, हम किसी भी गुट में शामिल नहीं होंगे और किसी समूह के साथ घनिष्ठ संबंध नहीं बनाएंगे, लेकिन अब तो भारत हर किसी के साथ करीबी रिश्ता रखना चाहता है। रूस-यूक्रेन मामले में ही हम मॉस्को के साथ तमाम तरह की आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियां बनाकर रखे हुए हैं, जबकि यूक्रेन की मदद करती पश्चिमी ताकतों के साथ भी हमारा बहुमूल्य गठबंधन बदस्तूर जारी है। वास्तव में, यही मौजूदा दौर की राजनीति है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले एक दशक में अच्छी-खासी मजबूती दी है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि भारत को लेकर अब दुनिया भर की अपेक्षाएं बढ़ गई हैं और नई दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गंभीरता से सुना जाने लगा है। हमारी कई मामलों में चीन के साथ तुलना की जाती है, लेकिन भारत की स्पष्टवादिता अंतरराष्ट्रीय जगत में इसे खास और चीन से अलग बना देती है। इस रुतबे का हमें इस्तेमाल करना चाहिए। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन यात्रा का महत्व बढ़ जाता है, क्योंकि उनकी रूस यात्रा में कुछ ऐसी प्रतिकूल टिप्पणियां भी आई थीं, जिनको नकारना आवश्यक था। प्रधानमंत्री मोदी की यूरोप-यात्रा इसी ताकत को मजबूत करने की एक संजीदा कोशिश है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

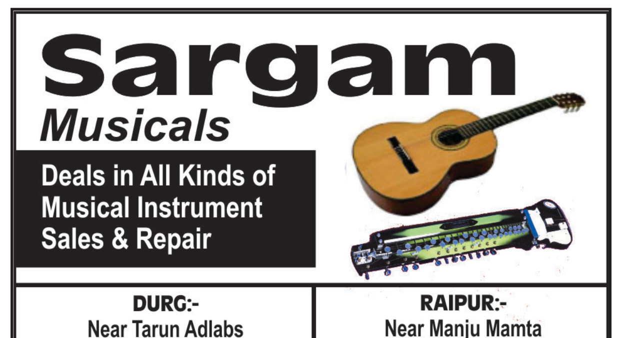

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Industrial Training Institute
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA

COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)

योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में

शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना

Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

- TDS रिफंड
- GST रजिस्ट्रेशन
- इनकम TAX फाइल
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- MSME रजिस्ट्रेशन
- GST रिटर्न फाइल
- CMA DATE
- फूड लाइसेंस
- BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

रेड क्रॉस सोसायटी के लिए प्रबंध समिति का किया जाएगा गठन- एमके राउत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एमके राउत की अध्यक्षता में विगत दिवस कलेक्टोरेट सभाकक्ष में रेड क्रॉस सोसायटी के कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर एवं अध्यक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी दुर्ग ऋचा प्रकाश चौधरी ने बैठक में जिले में संचालित रेड क्रॉस सोसाइटी के गतिविधियों के विषय में जानकारी दी।

इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा राज्य के माध्यम से प्रथम राज्य स्तरीय जूनियर रेड क्रॉस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विभागों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां की जाएगी। रेड क्रॉस सोसायटी के संबंध में शिविर लगाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी राऊत ने रेड क्रॉस सोसायटी का बेहतर प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेडक्रॉस सोसायटी अंतर्गत प्रबंध समिति गठित करने और एक राज्य स्तरीय अधिकारी को समिति में नियुक्त करने को कहा। रेड क्रॉस सोसायटी के अंतर्गत शहरी तथा ग्राम पंचायत स्तर पर अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के साथ ही उन्हें फर्स्ट एड (प्राथमिक चिकित्सा) की जानकारी व रेड क्रॉस से संबंधित कार्यों से अवगत कराने कहा। कलेक्टर चौधरी ने संचालित रेड क्रॉस सोसाइटी के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे ब्लड बैंक, वृद्ध आश्रम का संचालन, फिटनेस ट्रेनिंग सेंटर, संचालकों का प्रशिक्षण, जूनियर रेड क्रॉस सोसाइटी, पोस्टमार्टम केंद्र, शव वाहन का संचालन, आकस्मिक दुर्घटना में आहट परिवार जनों को चिकित्सीय उपकार हेतु आर्थिक सहायता, रक्तदान शिविर, वृद्ध आश्रम में स्वास्थ्य परीक्षण एवं जल वितरण, जूनियर रेड क्रॉस द्वारा फल एवं जल वितरण, आयकर अधिनियम की धारा 12 यू के तहत पंजीकृत प्रधानमंत्री जन औषधि मेडिकल स्टोर व अन्य उपलब्धियां के बारे में बताया। बैठक के दौरान रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, सीएमएचओ मनोज दानी तथा अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

लैब का किया गया निरीक्षण

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सीईओ श्री राउत द्वारा जिला अस्पताल के रेड क्रॉस सोसायटी के माध्यम से संचालित लैब का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लैब संबंधी जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सोसायटी द्वारा संचालित एंबुलेंस का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीम हरवंश सिंह मिरी, डिप्टी कलेक्टर मुकेश राउटे तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

राशनकार्ड से संबंधित सुविधाओं का लाभ लेने के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य

दुर्ग। राज्य शासन द्वारा राशनकार्ड के सभी सदस्यों का शत प्रतिशत ई-केवाईसी किये जाने के निर्देश दिये गये है। खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले में कुल 4,74,440 राशनकार्ड प्रचलित है, जिसमें 17,05,027 सदस्य सम्मिलित है। राशनकार्डों से संलग्न 3,79,942 सदस्यों द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान में उपलब्ध ई-पॉस मशीन में अब तक ई केवाईसी नहीं कराने के कारण विभागीय डाटाबेस में ऐसे सदस्यों का ई-केवाईसी अपूर्ण प्रदर्शित हो रहा है। सभी कार्डधारियों एवं राशनकार्ड के सदस्यों से अपील की जाती है कि विभागीय माडयूल में अपूर्ण प्रदर्शित हो रहे मुखिया/सदस्य राशनकार्ड एवं राशनकार्ड से संबंधित अन्य सुविधाओं का आगे भी लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक रूप से शा.उ.मू. दुकान में उपलब्ध ई-पॉस मशीन के माध्यम से अपना ई-केवाईसी दर्ज करा सकते है। ई-केवाईसी के पूर्ण/अपूर्ण होने के संबंध में जानकारी भी प्राप्त कर सकते है।

डॉमिनोज फेक रहा था सड़क पर कचरा, 20 हजार जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। फॉस्टफूड तैयार कर मिनटों में घर पहुंच सेवा देने वाले डॉमिनोज पिज्जा पर नगर पालिक निगम रिसाली ने 20 हजार का जुर्माना लगाया है। वह चोरी छिपे कृष्णा टॉकिज स्थित मंच के निकट शॉप का कचरा डंप कर रहा था। निगम के कर्मी प्रिंट कैरी बैग और अन्य कचरा को चिन्हित करने के बाद कार्रवाई की।

पिज्जा शॉप संचालक द्वारा पहले तो कचरा फेके जाने की बात से इंकार करने लगा था। बाद में कचरा रात के अंधेरे में फेकने की बात कहने पर निगम के अधिकारियों ने चालानी कार्रवाई की। उल्लेखनीय है कि स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर व्यापारियों को लगातार समझाईश दे रही है कि वे कचरा सड़क पर न फेके। गंदगी फैलाने पर की गई कार्रवाई में प्रभारी राजस्व अधिकारी संजय वर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी टिकेन्द्र वर्मा, मंगल कुर्रे, जनस्वास्थ्य विभाग के अमित चंद्राकर, सुपरवाइजर बिरेन्द्र देशमुख, लोकेश साहू आदि उपस्थित थे। निगम की टीम ने पिज्जा शॉप के किचन सफाई भी जांच की। हालांकि इस दौरान किचन साफसूथरा पाया गया। जन स्वास्थ्य विभाग ने फाइट द बाइट के तहत फ्रिज व फ्लावर पार्ट में लार्वा न होने की पुष्टी की।

खास खबर

रात में भी आवारा पशुओं को पकड़ने सड़क पर उतरी निगम

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत रात में शहर के मुख्यमार्ग में आवारा मवेशियों की धर-पकड़ अभियान शुरू करने हेतु कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा आदेश जारी किया गया था।इसको लेकर आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता के नेतृत्व में आवारा मवेशियों को पकड़ने की कार्रवाही किया गया। गुरुवार की रात करीब दो दर्जन से अधिक मवेशियों को शहर के मुख्यमार्गों से अतिक्रमण टीम अमले द्वारा आवारा मवेशियों को पकड़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।उल्लेखनीय है कि शहर में मुख्यमार्ग पुलगांव चौक से नदी ओवरब्रिज तक पकड़ा गया। नगर निगम द्वारा कार्रवाही सार्वजनिक स्थल बस स्टैंड, सहित जगहों से आवारा मवेशियों की रात में झुंड से शहर की यातायात व्यवस्था बाधित हो रही है। वहीं रात में मुख्य मार्गों में आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगे रहने से यातायात व्यवस्था बाधित होने के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।सबसे बड़ी समस्या यह थी की आवारा मवेशियों पर वाहनों के हार्न मारने का भी कोई असर नहीं पड़ता था। आवारा मवेशियों की जमावड़ा लगे रहने से शहर की सुंदरता पर भी ग्रहण लग रहा है।इसको ध्यान में रखते हुए निगम अमले द्वारा कार्रवाही किया जा रहा है। आज रात 8 बजे से 12 बजे तक आवारा मवेशी पकड़ने की कार्रवाही किया गया:अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने कहा कि शहर के सार्वजनिक स्थलों में विचरण करने वाले आवारा मवेशियों के बारे में जब पूछताछ की जाती है तो पशु पालक अपना मवेशी होने से इंकार कर देते हैं।उन्होंने कहा कि जारी रहेगा अभियान दिन के साथ साथ रात में भी आवारा मवेशियों की धर पकड़ अभियान जारी रहेगा।

जोन 03 अंतर्गत अवैध कब्जा को निगम की टीम ने किया ध्वस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक 03 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की गई। जोन 03 वार्ड क्रं. 30 प्रगति नगर केम्प-01 के गली में अवैध रूप से मकान का निर्माण किया जा रहा था। जिसे निगम की टीम द्वारा ध्वस्त कर मलवे को हटाने की कार्यवाही की गई।

आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव को सूचना मिली थी, कि जोन 03 क्षेत्र के वार्ड 30 प्रगति नगर केम्प-01 के गली में अवैध रूप से मकान का निर्माण किया जा रहा है। बसंतराव वडीकार को उक्त स्थल का पटटा जारी किया गया था, इनके द्वारा अतिरिक्त भूमि पर मकान का निर्माण किया जा रहा है। निगम द्वारा बसंतराव वडीकार को नोटिस भी जारी किया गया था, कि स्थल से अतिरिक्त कब्जा स्वयं द्वारा हटाया जाये। किन्तु उनके द्वारा अवैध कब्जा हटाया नहीं गया। जोन 03 कार्यालय की टीम स्थल निरीक्षण करने पहुची, तो वहां देखा की बसंतराव वडीकार द्वारा अतिरिक्त भूमि पर मकान का निर्माण किया गया है। जिससे गली में आने जाने

वालो को आवागमन में असुविधा हो रही है। मकान के अतिरिक्त भाग को टीम ध्वस्त किया गया। मलवे को डम्फर के माध्यम से हटाया गया। जिससे आने जाने वालो को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो।

कार्यवाही के दौरान जोन के जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम एवं निगम का तोड़फोड़ दस्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की सुविधा के लिए ऋण मेला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस घटक अंतर्गत हितग्राहियो के लिए 28 अगस्त को ऋण मेला का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे हितग्राही किरायेदार के रूप में निवासरत, बेघर परिवारो को आवास प्रदान करने के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। हितग्राहियो द्वारा 10 प्रतिशत अंशदान राशि जमा करके लॉटरी में भाग लेकर मकान अपने नाम आबंटित कराया गया है। हितग्राहियो द्वारा आवास आबंटन की शेष 90 प्रतिशत राशि जमा करने पश्चात मकान का अधिपत्य पत्र उन्हे सौंपा जाता है। बहुत से हितग्राही शेष 90 प्रतिशत राशि जमा नही कर पा रहे है। ऐसे हितग्राहियो के लिए ऋण मेला लगाया जा रहा है। जिसके माध्यम से आबंटित आवास का शेष राशि जमा करके मकान प्राप्त कर सकेगें।

आवास ऋण मेला नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय परिसर मे प्रातः 11:00 बजे से से 3:00 बजे तक लगाया जायेगा। बैंक द्वारा कम ब्याज दर पर आवास लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। हितग्राही उसका लाभ ले सकते है।

बैंक से लोन प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेज- आबंटन पत्र की छायाप्रति, पेन कार्ड की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, बैक पास बुक की छायाप्रति, शपथ पत्र, 6 माह का बैंक स्टेटमेंट, वेतन प्रमाण पत्र, 3 पासपोर्ट साईज फोटो, किरायानामा, जमा की गई राशि के रसीद की छायाप्रति अनिवार्य रूप से लेकर आना है।

आवास हितग्राही अपनी सुविधा के अनुसार बैंक से लोन प्राप्त कर आबंटित आवास प्राप्त कर सकते है। प्रमुख बैंक जिनके माध्यम से लोन प्रदान किया जायेगा। आई.आई.एफएल. होम लोन सुपेला भिलाई, पिरामल केपिटल एंड हाउसिंग लिमिटेड सुपेला भिलाई, इजी होम फायनेंस रायपुर, स्वतत्रं माईक्रो फायनेंस कार्पोरेशन रायपुर, आवास फायनेंस दुर्ग, आवास फाईनेस पावर हाउस भिलाई आदि बैंक संयुक्त रूप से अपने ब्याज दर के विवरणी के साथ उपस्थित रहेगे।

आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने सभी आबंटितो से अपील की है कि अपनी सुविधा के अनुसार बैंक से लोन प्राप्त करके शेष राशि जमा कर मोर मकान-मोर आस योजना अंतर्गत आबंटित मकान प्राप्त कर सकते है।

सोसाइटी का प्रगाढ़ संबंध बना रहेगा अपने सेवानिवृत्त कर्मियों से: मिश्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 में विदाई सह संस्था में जमा उनकी निधियों का अंतिम भुगतान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें माह जुलाई-2024 और उसके पूर्व सेवानिवृत हुए भिलाई स्टील प्लांट के कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई।

सोसाइटी के अध्यक्ष बृजबिहारी मिश्र व अन्य पदाधिकारियों ने इन सदस्य कर्मियों को शाल/श्रीफल और उनकी जमा पूंजी का खातादेय चेक देकर सम्मानित किया। शुरुआत में अध्यक्ष बृजबिहारी मिश्र ने कहा कि हमारी सोसाइटी के आधार स्तंभ रहे इन वरिष्ठ कर्मियों का योगदान हमेशा रेखांकित होता रहेगा। उन्होंने जीवन के नए पड़ाव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है लेकिन वरिष्ठ सदस्यों से हमारी सोसाइटी के संबंध हमेशा प्रगाढ़ बने रहेंगे। उपाध्यक्ष इंदरजीत कौर ने वरिष्ठ कर्मियों का सम्मान करते हुए कहा कि इन सभी का अनुभव ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और नई पीढ़ी को मार्गदर्शन के लिए हम हमेशा अपने वरिष्ठ कर्मियों के आभार रहेंगे।

इन सेवानिवृत्त कर्मियों में रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से चंद्रशेखर,दिगंत चतुर्वेदी,मेडिकल से शाहिद हुसैन, रीना शर्मा,डॉ संजय कुमार अनुपम सिंह,एन गुरुनाथन,डॉ सीएस कुरूप, प्लेट मिल से विनोद कुमार मेश्राम, गोवर्धन लाल,एस आर बंधु,आरके सिंह,पर्यावरण प्रबंधन विभाग से अरविंद कुमार,सिंटर प्लांट-2 से श्यामलाल,अमरनाथ,जयपाल सिंह सेंगर,हरविंदर सिंह,मानव संसाधन विभाग से वी रामाराव,स्टील मेल्टिंग शॉप-2 से एन रमेश कुमार,राजेंद्र,नोहर सिंह,स्टील मेल्टिंग शॉप 3 से भवानी शंकर परगनिहा,ब्लास्ट फर्नेस से गुलेश्वर साहू,महेश नादमवर,राम किशन, अरुण कुमार,पावर सिस्टम से असीम कुमार नंदी,लक्ष्मण राव,धनराज मारकंडे,रिफ्रैक्ट्री इंजीनियरिंग विभाग से भरतलाल साहू,जनरल इस्टेब्लिशमेंट से चेतनलाल,माखनलाल,प्लांट गेराज से रमेश कुमार और सीईडी से अप्पाराव शामिल हैं।

नराकास की 59वीं छमाही बैठक एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग की 59वीं छमाही बैठक एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 23 अगस्त 2024 को भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास केंद्र के भूतल सभागार में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सहायक निदेशक (कार्यान्वयन) एवं कार्यालयाध्यक्ष, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल हरीश सिंह चैहान थे। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी एवं अध्यक्ष (नराकास-भिलाई-दुर्ग) श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की एवं कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि, हरीश सिंह चैहान ने नराकास, भिलाई-दुर्ग द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की तथा कहा कि

नराकास, भिलाई-दुर्ग के सभी संस्थानों द्वारा हिंदी में सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं, हमें इसमें लगातार गुणात्मक वृद्धि करने हेतु तत्पर रहना है। वर्तमान में सभी भाषाएँ समावेशी हो गयी हैं। भाषा सरल एवं संप्रेषण सहज होना चाहिये। साथ ही उन्होंने संसदीय राजभाषा समिति के संभावित निरीक्षण के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। मुख्य अतिथि श्री चैहान ने 14 एवं 15 सितम्बर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित होने जा रहे हिंदी दिवस एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के संयुक्त आयोजन के विषय में उल्लेख करते हुए हिंदी में कामकाज को प्रोत्साहन हेतु केन्द्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के विषय में चर्चा की।

भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी एवं अध्यक्ष (नराकास-भिलाई-दुर्ग) श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा कि, सदस्य संस्थानों में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं आयोजनों के द्वारा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के प्रोत्साहन का क्रम लगातार पूरे वर्ष भर जारी रहा। संस्थान प्रमुखगण एवं हिंदी अधिकारीगण ने हिंदी के प्रयोग में सतत वृद्धि के लिए लगातार प्रयास किए, उन सबके प्रति धन्यवाद प्रेषित करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी में शत-प्रतिशत कार्यालयीन कामकाज करने के साथ संवैधानिक प्रावधानों का भी निष्ठापूर्वक पालन करना है। विशिष्ट अतिथि पवन कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी में कामकाज हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। इसके लिये सभी संस्थान निरंतर प्रयासरत हैं, इन प्रयासों में और तेजी लाने की आवश्यकता है। उत्कृष्टता की लगातार चलने वाली यात्रा में उपलब्धियाँ केवल पड़ाव होती हैं, मंजिल नहीं। हमें उत्कृष्टता का यह क्रम अनवरत रूप से जारी रखना है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक (संपर्क व प्रशासन, जनसंपर्क एवं प्रभारी राजभाषा) तथा सचिव (नराकास-भिलाई-दुर्ग) सौमिक डे ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करने से पूर्व अतिथिगण का किताब भेंट कर स्वागत किया और शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन-राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने पिछली बैठक की कार्यसूची का अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आगामी कार्यसूची का वाचन किया। इस अवसर पर नराकास के विभिन्न संस्थानों एवं कार्मिकों को राजभाषा नीतियों के अनुपालन में योगदान हेतु पुरस्कार प्रदान किए गए। इस क्रम में उन्नायक पुरस्कार सुश्री अनुराधा धनांक, उप मण्डल अभियंता (राजभाषा), बीएसएनएल, दुर्ग को दिया गया तथा राजभाषा के क्षेत्र में सराहनीय कार्यों के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र को राजभाषा शिखर पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ मंडल प्रबंधक (यूनाइटेड इण्डिया इन्श्योरेंस) भावना चाँदवानी ने किया। इस अवसर पर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की गौरवशाली यात्रा पर केन्द्रित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया, जिसे समस्त उपस्थितजनों ने सराहा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

चौथे वेस्ट जोन कराटे प्रतियोगिता में अर्चित को मिला रजत पदक

रायपुर। शहर के अर्चित श्रीवास्तव ने चौथे वेस्ट जोन कराटे प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया है। इंदौर में 16- 18 अगस्त तक आयोजित इस प्रतियोगिता में अर्चित ने सब जुनियर ग्रुप में 20 किलोग्राम वर्ग में कुमेटी फाइट स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। स्पर्धा में सब जुनियर, जुनियर,कैडेट, अंडर 21 ,सीनियर वर्गों में महिला एवं पुरूषों के फाइट एवं काता की अलग- अलग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और गोवा के एक हजार से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में प्रबंधक विकास श्रीवास्तव के पुत्र अर्चित तीसरी कक्षा के छात्र हैं और कराटे का नियमित प्रशिक्षण लेते हैं।

जन्माष्टमी पर 26 को नगर निगम क्षेत्र में मांस-मटन विक्रय प्रतिबंधित

रायपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर 26 अगस्त को रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में मांस और मटन विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश के अनुपालन में यह प्रतिबंध लागू किया गया है।

रायपुर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने इस आदेश को जारी करते हुए सूचित किया है कि नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी पशुवध गृह और मांस-मटन की दुकानें इस दिन बंद रहेंगी। यदि किसी भी दुकान में मांस या मटन विक्रय करते हुए पाया जाता है, तो संबंधित सामग्री जप्त कर ली जाएगी और विक्रेता के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम के जोन स्वास्थ्य अधिकारी और जोन स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में मांस-मटन की दुकानों की निगरानी करेंगे और सतत पर्यवेक्षण सुनिश्चित करेंगे। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

मोक्ष तक पहुंचने के लिए जीवन में गुणों का होना आवश्यक :विजयजी

रायपुर। संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 की प्रवचनमाला जारी है। शुक्रवार को तपस्वी मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने कहा कि चार गति रूप संसार में भटक रहे जीव के लिए जिन शासन की प्राप्ति अत्यंत पुण्य के उदय से होती है। जिन शासन की प्राप्ति के बाद जीव का कर्तव्य है कि वह धर्म के अंदर पुरुषार्थ करके अपनी आत्मा को मोक्ष में पहुंचाएं और मोक्ष तक पहुंचने के लिए जीवन में गुणों का होना अत्यंत आवश्यक है। इस तरह के 21 गुणों का वर्णन शास्त्रकार भगवंतो ने किया है, उन गुणों के अंतर्गत पापभीरूता नाम के गुण की बात चल रही है।

कृषि अभियंताओं के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन व संगोष्ठी का आयोजन 29 व 30 अगस्त को

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में जुटेंगे देश भर के कृषि अभियंता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 29 एवं 30 अगस्त को कृषि अभियंताओं का 36वां राष्ट्रीय सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी सतत विकास के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार हेतु कृषि अभियंताओं का योगदान विषय पर आयोजित की जाएगी। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि कृषि अभियंताओं के सम्मेलन से प्रदेश के कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों के हित में नये तथ्य सामने आएंगे। आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग, उत्पादन में बढ़ोत्तरी के उपायों के संबंध में नई जानकारी सामने आएगी।

इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजिनियर्स (इंडिया) छत्तीसगढ़ स्टेट सेन्टर, रायपुर एवं स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कृषि अभियांत्रिकी संकाय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। राष्ट्रीय सम्मेलन सह संगोष्ठी में वर्तमान समय में कृषि के विकास हेतु बहु प्रासंगिक विषयों जैसे इंजीनियरिंग इनपुट का संरक्षण और प्रबंधन, फार्म मशीनरी, कृषि प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन, गैर पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत, मिट्टी और जल संरक्षण और प्रबंधन आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी एवं शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। इनमें मुख्यत: कृषि में जुताई-बुआई से लेकर कटाई-मड़ाई एवं प्रसंस्करण की क्रियाओं का मशीनीकरण, कृषि में ड्रोन का उपयोग, रिमोट सेंसिंग एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग, कृषि बागवानी में अत्याधुनिक तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स एवं आईओटी का प्रयोग आदि विषयों पर सार्थक संवाद, प्रदर्शन, प्रस्तुतिकरण एवं विचारों का आदान-प्रदान होगा।

कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन एवं कृषि कार्यों के समय पर संपादन में कृषि श्रमिकों की घटती उपलब्धता के परिपेक्ष्य में कृषि अभियंताओं के बढ़ते महत्व एवं कस्टम हायरिंग जैसे क्षेत्रों में उद्यमिता विकास की असीम संभावनाओं पर प्रकाश डाला जाएगा। इस कार्यक्रम में अभियंता, उद्यमी, वैज्ञानिक, उद्योगपति, शोधकर्ता, प्रगतिशील कृषक एवं देश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के विद्वत्तजन शामिल होंगे तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए यथोचित रणनीति को अंतिम रूप देंगे।

कार्यक्रम के आयोजक सचिव एवं स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विनय कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), कोलकाता के उपाध्यक्ष डॉ. नूतन दास, आईआईटी खड़गपुर के पूर्व प्राध्यापक एवं सीएसवीटीयू, भिलाई के पूर्व कुलपति डॉ. बीसी मल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, परभणी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रमणी, डॉ. सिंह कुलपति मेरठ विश्वविद्यालय, डॉ. गौड़ कुलपति, वैशाली, बिहार, डॉ. अम्बष्ठ अध्यक्ष, सेन्ट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड, भारत सरकार, नई दिल्ली, डॉ. सयाली, सचिव और महानिदेशक, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), कोलकाता, डॉ. एके सिंह, सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारत सरकार, नई दिल्ली डॉ. रमना राव, निदेशक एनआईटी, रायपुर, डॉ. मेहता निदेशक, केन्द्रीय कृषि इंजीनियरिंग संस्थान, भोपाल, सहित देश भर के विख्यात विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे।

शाह ने वल्लभाचार्य के मुख्य प्राकट्य बैठक स्थल व चम्पेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज छत्तीसगढ़ के पवित्र धाम चंपारण पहुंचे। यहां उन्होंने महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के मुख्य प्राकट्य बैठक स्थल और चम्पेश्वर महादेव की पूजा अर्चना की और देशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल भी उनके साथ थे।

चंपारण में महाप्रभु वल्लभाचार्य आश्रम पहुंचने पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का परम्परागत् ढंग से स्वागत किया गया। इस मौके पर द्वारिकेश्वर लाल जी महाराज द्वारा उन्हें महाप्रभु वल्लभाचार्य की प्रतिमा भेंट की गई। वल्लभाचार्य निधि ट्रस्ट की ओर से भी उनका स्वागत किया गया तथा हरीश बाबरिया और मोनल बाबरिया द्वारा उन्हें श्रीनाथ जी का चित्र भेंट किया गया।

छत्तीसगढ़ में महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के जन्मस्थली चंपारण में देशभर से पुष्टिमार्ग के अनुयायी जुटते हैं। बनारस-दक्षिण प्रवास के दौरान वल्लभाचार्य जी की माता को प्रसव पीड़ा हुई और चंपारण में चम्पेश्वर महादेव मंदिर के निकट उन्होंने बालक को जन्म दिया। वल्लभाचार्य जी ने पुष्टि मार्ग का प्रवर्तन किया और देशभर में कृष्ण भक्ति की अलख जगाई।

इस मौके पर सर्व गुजराती समाज के अध्यक्ष प्रितेश गांधी पदीय, वल्लभाचार्य ट्रस्ट के अध्यक्ष चेतन अधिया, वल्लभाचार्य ट्रस्ट के सदस्य वल्लभ अधिया, गुजराती समाज के पदाधिकारी हरीश कुमार बाबरिया, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, अपैक्स बैंक पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज और चंपारण के सरपंच श्रीमती राधिका ध्रुव सहित अनेक जनप्रतिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

चंपारण की कहानी अपने आप में भारत की विशिष्ट सांस्कृतिक समृद्धि

भारत में हमेशा से उत्तर से दक्षिण भारत की ओर तथा दक्षिण भारत से उत्तर की ओर तीर्थ यात्रा की परंपरा रही है और यह तीर्थ यात्रा महानदी के बहुत से तीर्थ स्थलों के निकट से गुजरती है। चंपारण की कहानी अपने आप में भारत की विशिष्ट सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। उसके साथ ही यह महाप्रभु वल्लभाचार्य एवं भक्ति आंदोलन के आचार्यों की सुंदर परंपरा को भी दर्शाती है जिन्होंने सनातन परंपरा के मूल्यों को संजोया और कृष्ण भक्ति की अलख जगाई। चौरासी वैष्णवों की वार्ता तथा वल्लभ दिग्विजय जैसे ग्रंथों में महाप्रभु के बचपन और उनकी सुंदर स्मृतियां दर्ज हैं। चंपारण, त्रिवेणी संगम राजिम के निकट है राजिम में भगवान राजीव लोचन विराजित हैं। यह पदम क्षेत्र कहा जाता है। इस पद्म क्षेत्र के चारों ओर पंचकोसी परिक्रमा होती है। इस पंचकोसी परिक्रमा में श्रद्धालु हिस्सा लेते हुए चम्पेश्वर महादेव में जल अर्पित करते हैं।

गणेश उत्सव से पहले राजधानी की सड़कों का होगा मरम्मत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभा कक्ष में नगर निगम लोककर्म विभाग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, कार्यपालन अभियंताओं की उपस्थिति में शुक्रवार शाम को बैठक लेकर लोककर्म विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा कर जनहित में आवश्यक निर्देश अभियंताओं को दिये।

एमआईसी सदस्य ज्ञानेश शर्मा ने गणेश उत्सव पर्व के पूर्व राजधानी शहर नगर निगम क्षेत्र के मार्गो की बारिश से खराब सड़को की आवश्यक रूप से उनमें सुधार करवाकर मरम्मत करवाना प्राथमिकता से सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिये। उन्होने राष्ट्रीय राजमार्ग में खराब हुई सड़कों की जानकारी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को तत्काल प्रेषित करने निर्देशित किया है।

एमआईसी सदस्य ज्ञानेश शर्मा ने कार्यपालन अभियंताओं को जनसमस्या पखवाड शिविरों में आमजनों से विकास कार्य हेतु प्राप्त सभी मांगो पर तत्काल विकास कार्य से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर सक्षम स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश जनहित में दिये है। एमआईसी सदस्य ने कार्यपालन अभियंताओं को निर्देषित किया है कि विकास कार्यो के भूमिपूजन एवं लोकार्पण के कार्यक्रमों की सूचना नगर निगम के महापौर, सभापति, एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षों, वार्ड पार्षदों को अनिवार्य रूप से देकर उन्हें आयोजन में आमंत्रित करना सभी जोनो से प्रशासनिक तौर पर सुनिश्चित करें ।

विधायक अनुज शर्मा एवं आयुक्त मिश्रा ने जोरा, कचना, आमासिवनी क्षेत्र का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धरसींवा विधायक अनुज शर्मा एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद गोपेश साहू, नगर निगम जोन 9 जोन कमिष्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता केके शर्मा, पद्माकर श्रीवास सहित जोन के अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में जोन 9 के तहत आने वाले जोरा, कचना, आमासिवनी रहवासी क्षेत्र का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा सहित अधिकारियों की उपस्थिति में किये गये निरीक्षण के दौरान जोन 9 के तहत जोरा क्षेत्र में जोरा स्कूल के सामने मैदान का समतलीकरण करवाने, स्कूल परिसर में जर्जर भवन को तोडने की कार्यवाही करने , जोरा पानी टंकी के समीप जनसुविधा हेतु बाजार निर्माण एवं विकास करने का कार्य शीघ्र करवाने के निर्देश दिये।

धरसींवा विधायक ने निगम आयुक्त एवं वार्ड 8 के पार्षद सहित निरीक्षण के दौरान जोन 9 के तहत कचना क्षेत्र में खेल मैदान एवं मुक्तिधाम विकसित करने का कार्य शीघ्र करवाने के निर्देश दिये। उन्होने पुराना सामुदायिक भवन की व्यवहारिक आवश्यकता के अनुरूप सुधार मरम्मत का कार्य करवाने निर्देशित किया। कचना में नगर निगम जोन 9 के माध्यम से निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का कार्य तेज गति से करवाकर शीघ्र जनहित में जनसुविधा हेतु पूर्ण करवाने के निर्देश दिये गये। धरसींवा विधायक ने नगर निगम आयुक्त एवं वार्ड 8 के पार्षद सहित आमासिवनी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान तालाब का सौंदर्यीकरण करवाने एवं बाजार विकसित करने के निर्देश दिये।

शासकीय भूमि पर कब्जा: नगर निगम ने अभियान चलाकर हटाया अवैध निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार एवं जोन 4 जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव के निर्देशानुसार जोन कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, उपअभियंता अजय श्रीवास्तव, मनीषा निराला की उपस्थिति में थ्रीडी एवं श्रमिकों की सहायता से नगर निगम जोन 4 क्षेत्र के ब्राम्हणपारा वार्ड क्रमांक 44 के सारथी चौक के समीप शासकीय भूमि पर किये गये लगभग 300 वर्गफीट क्षेत्र में अवैध निर्माण को हटाने संबंधित अवैध निर्माणकर्ता को नियमानुसार 3 नोटिस एवं अंतिम सूचना देने उपरांत उनके द्वारा स्वत: अवैध निर्माण नहीं हटाये जाने पर अभियान चलाकर शासकीय भूमि पर किया गया अवैध निर्माण हटाने की कार्यवाही की।

सारथी चैक के समीप संबंधित अवैध निर्माणकर्ता को 700 वर्गफीट क्षेत्र में पट्टा आबंटन किया गया था। इसके बाद उन्होने अतिरिक्त लगभग 300 वर्गफीट शासकीय भूमि क्षेत्र में कब्जा कर अवैध निर्माण कर लिया था एवं आवासीय भूमि पर नियम विपरीत व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन दुकान खोलकर करने लगे थे। इस संबंध में षिकायत नगर निगम को मिलते ही जोन 4 अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। जिसमें प्राप्त शिकायत सही मिली। संबंधित अवैध निर्माणकर्ता को शासकीय भूमि पर किया गया अवैध निर्माण हटाने नियमानुसार 3 नोटिस जोन 4 द्वारा जारी की गई। इसके बाद अंतिम सूचना दी गई।

संबंधित अवैध निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण स्वत: नहीं हटाये जाने पर आयुक्त के निर्देश पर जोन 4 नगर निवेष विभाग ने निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता की टीम के साथ अभियान चलाकर शासकीय भूमि पर किया गया अवैध निर्माण तोडकर हटाने की कार्यवाही की एवं नियम विपरीत संचालित व्यवसायिक गतिविधियों पर शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त करवाकर कारगर रोक लगायी।

आयुक्त ने सौंदर्यीकरण कार्य का किया निरीक्षण

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने शुक्रवार को नगर निगम क्षेत्र में फुण्डहर चौक से माना एयरपोर्ट तक सीएसआर मद के माध्यम से औद्योगिक समूह रामा ग्रुप के माध्यम से व्हीआईपी रोड एक्सप्रेस-वे क्षेत्र में कराये जा रहे लैण्ड स्केपिंग, सौंदर्यीकरण कार्य की प्रगति का वहां पहुंचकर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, जोन 10 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। फुण्डहर चौक से एयरपोर्ट तक मार्ग सौंदर्यीकरण शीघ्र होने पर मार्ग की सुन्दरता निखरेगी।

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने व्हीआईपी रोड एवं एक्सप्रेस-वे मार्ग में सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखने के निर्देश दिये। साथ ही प्रमुख मार्गो में आवारा मवेशियों की धरपकड़ काउकेचर वाहनों एवं विशेष टीमों की सहायता से निरंतरता से प्रभावी तरीके से जारी रखने के निर्देश दिये। आयुक्त ने मार्ग सौंदर्यीकरण के कार्यो को मॉनिटरिंग कर जनहित में जनसुविधा हेतु शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश दिये है।

साड़ी व मोतियों की ज्वैलरी पहनकर पहुंची प्रियंका

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा एक दिन पहले ही इंडिया वापस लौटकर आईं। एयरपोर्ट से उनकी फोटोज वायरल होते ही अटकलें तेज हो गईं। लेकिन शाम तक उनके इंडिया आने की असली वजह का पता चल गया। दरअसल, प्रियंका चोपड़ा इंडिया अपने भाई की शादी की रस्सों को अटेंड करने आई हैं। जहां उनका लुक बेहद इंप्रेसिव दिखा। साड़ी संग पर्ल ज्वैलरी में रेडी प्रियंका चोपड़ा काफी अट्रैक्टिव दिख रही थीं और उनका ये लुक टाइमलेस दिख रहा था।

ऐसा था प्रियंका चोपड़ा का लुक

देसी गर्ल प्रियंका ने भाई की शादी के लिए मैजेंटा कलर की खूबसूरत सैटिन साड़ी को चुना था। जिस पर मैचिंग थागों से की गई एंब्रायडरी इसे स्पेशल बना रही थी। वहीं साथ में स्वीटहार्ट नेकलाइन वाला स्पैगेटी स्लीव ब्लाउज खूबसूत दिख रहा था।

ज्वैलरी ने किया इंप्रेस

पीसी ने इस लुक को एलिगेंट और चार्मिंग बनाने के लिए पर्ल ज्वैलरी को चुना। पर्ल चोकर नेकपीस के साथ लांग लेयर्ड पर्ल नेकलेस काफी अट्रैक्टिव और मैजेंटा कलर के साथ परफेक्ट तरीके से मैच होते दिखा।

मेकअप और हेयरस्टाइल था टाइमलेस

प्रियंका चोपड़ा ने मेकअप को बिल्कुल क्लासिक रखा था। मैचिंग मैजेंटा शेड लिपस्टिक के साथ मैचिंग ब्लश और ब्लैक आई मेकअप परफेक्ट दिख रहा था। वहीं हाई मेसी बन के साथ फ्रंट पार्टीशन हेयर और कुछ बालों की स्ट्रैंड्स शानदार दिख रही थी।

लड़कियां ले सकती हैं टिप्स

अगर आप बहन, भाई या फिर फ्रेंड की शादी में क्लासिक लुक सी तलाश में और किसी भी तरह का एक्सपेरिमेंट ट्राई नहीं करना चाहती हैं तो प्रियंका चोपड़ा का ये क्लासिक मैजेंटा साड़ी लुक बिल्कुल परफेक्ट है।

पर्ल नेकलेस को इन कलर की साड़ी के साथ करें मैच

अगर आप पर्ल नेकपीस को पहनना चाहती हैं तो केवल मैजेंटा ही नहीं बल्कि सी ग्रीन, पाउडर पिंक, टरक्वाएज, व्हाइट और आइवरी शेड की साड़ियों या लहंगे के साथ भी परफेक्ट तरीके से मैच करेंगे और आपको रॉयल लुक देंगे।

एमी जैक्सन शादी के लिए इटली हुई रवाना

मंगेतर एड वेस्टविक और बेटे के साथ प्राइवेट जेट से शेयर की तस्वीरें

'सिंह इज ब्लिंग' फेम बॉलीवुड एक्ट्रेस एमी जैक्सन शादी करने जा रही हैं। वह मंगेतर और ब्रिटिश एक्टर एड वेस्टविक से दो साल डेटिंग के बाद शादी कर रही हैं। एमी अपने बेटे एंड्रियास और मंगेतर के साथ प्राइवेट जेट से इटली रवाना हो गई हैं। इस कपल ने इटली के अमाल्फी कोस्ट को वेडिंग वेन्यू चुना है। एमी जैक्सन ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह मंगेतर एड, अपने होने वाले ससुराल वालों और अपने बेटे एंड्रियास के साथ उड़ान भरती नजर आ रही हैं। एमी जैक्सन ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'चलो बेबी, शादी कर लेते हैं।'

एड ने स्विट्जरलैंड में किया था एमी को प्रपोज

एड वेस्टविक ने इस साल जनवरी में स्विट्जरलैंड के गस्टाड में एमी जैक्सन को प्रपोज किया था। इस खूबसूरत पल की तस्वीरें काफी वायरल हुई थीं। तब कैप्शन में रिंग इमोजी के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए एमी ने लिखा, 'यकीनन हां।' जबकि एड वेस्टविक ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'मैंने जैकपॉट मारा है।'

एमी जैक्सन की एक बार टूट चुकी है सगाई

एमी जैक्सन की एक बार पहले भी सगाई हो चुकी है। वह पहले बिजनसमैन जॉर्ज पानायियोटौ को डेट करती थीं। दोनों ने सगाई की। उनका एक बेटा एंड्रियास भी पैदा हुआ। लेकिन शादी से पहले यह रिश्ता टूट गया। एमी जैक्सन फिल्मों से ज्यादा अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रही हैं। 2011 में उन्हें फिल्म 'एक दीवाना था' के सेट पर प्रतीक बब्बर से हुआ। लेकिन 2012 में दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद वह तीन साल मुंबई छोड़ लंदन चली गईं।

एमी जैक्सन का फिल्मी करियर, 2010 में किया था डेब्यू

एमी जैक्सन ने साल 2010 में तमिल फिल्म 'मद्रासपट्टिनम' से एक्टिंग की शुरुआत की थी। उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म प्रतीक बब्बर के साथ 'एक दीवाना था' थी, जो 2012 में रिलीज हुई। एमी इसके बाद रजनीकांत की 'रोबोट 2.0' में भी नजर आईं। बॉलीवुड में उन्होंने 'सिंह इज ब्लिंग' और 'फ्रीकी अली' जैसी फिल्मों में काम किया है। वह कई तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

रानी मुखर्जी की मर्दानी को पूरे हुए 10 साल, यशराज फिल्म्स ने किया मर्दानी-3 का ऐलान

बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 की सफलता के बीच रानी मुखर्जी स्टारर मर्दानी 3 का एलान हो गया है। यशराज फिल्म्स ने मर्दानी फ्रेंचाइजी के 10 साल पूरे होने पर मर्दानी 3 की एलान किया है। रानी मुखर्ज को एक बार फिर मुंबई क्राइम ब्रांच की सीनियर इंस्पेक्टर शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में देखा जाएगा। मर्दानी 3 का एलान कर यशराज फिल्म्स ने एक वीडियो भी शेयर किया है। मर्दानी फ्रेंचाइजी महिला लीड स्टारर फिल्मों की टॉप लिस्ट में शामिल है।

साल 2014 में यशराज फिल्म्स ने मर्दानी बनाई थी और इसके पांच साल बाद फिल्म मर्दानी 2 आई थी। अब एक बार फिर पांच साल बाद मर्दानी 3 आ रही है। यशराज फिल्म्स ने मर्दानी 3 का एलान कर एक वीडियो शेयरक किया है, जिसमें मर्दानी और मर्दानी 2 में रानी मुखर्ज का धांसू कॉप लुक में एक्शन दिख रहा है। वहीं, वीडियो के आखिर में फिल्म मर्दानी 3 का एलान किया गया है।

मर्दानी 3 का एलान कर यशराज फिल्म्स ने लिखा है, मर्दानी के 10 साल पूरे और अगले का इंतजार है, डेयरिंग शिवानी शिवाजी रॉय और मर्दानी की स्पिरिट का जश्न मना रहे हैं, एक दशक से इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद, इस प्यार की बदौलत हम दोबारा प्रेरित हो रहे हैं, रानी मुखर्जी और मर्दानी के 10 साल।

बता दें, मर्दानी को प्रदीप सरकार और मर्दानी 2 को गोपी पुथरन ने डायरेक्ट किया था। अब मर्दानी 3 को कौन डायरेक्ट करेगा इसका एलान नहीं किया गया है। वहीं, फिल्म में रानी मुखर्जी के साथ-साथ कौन-कौन एक्टर्स लीड रोल में होगा इसका भी खुलासा नहीं किया गया है। रानी मुखर्जी को पिछली बार फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे (2023) में देखा गया था। फिल्म में रानी की एक्टिंग को खूब सराहा गया था।

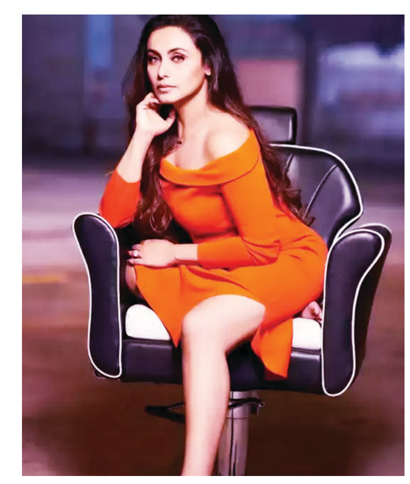

लिवर-किडनी को करना चाहते हैं डिटॉक्स तो सप्ताह में एक बार पिएं यह नींबू से बना खास ड्रिंक

अगर आप अपनी खराब लाइफस्टाइल को बैलेंस करना चाहते हैं, तो हफ्ते में 1-2 बार डिटॉक्स वॉटर पिएं। इससे शरीर में जमी गंदगी बाहर निकलती है और शरीर डिटॉक्स होता है।

डिटॉक्स वॉटर पीने से लिवर और किडनी के फंक्शन बेहतर होती है। आजकल डिटॉक्स वॉटर पीने का चलन काफी तेज हो गया है। यह पानी शरीर में जमा फैट को कम करने में मदद करता है और साथ ही, आपको हाइड्रेटेड रहने में भी मदद करता है।

आप रोजाना 8-10 गिलास पानी पीते हों, लेकिन हफ्ते में एक बार 1-2 गिलास डिटॉक्स वॉटर जरूर पिएं। इससे आपके शरीर में जमी सारी गंदगी बाहर निकल जाएगी।

जब आप पानी में कुछ ऑर्गेनिक चीजें मिलाकर पीते हैं तो इसे डिटॉक्स वॉटर कहते हैं। इस तरह के पानी शरीर में जमा गंदगी बाहर निकालने का काम करता है। यह शरीर को पूरे दिन एनर्जेटिक रखता है। ये वजन कम करने में भी मदद करती है।

डिटॉक्स वॉटर ताजे फल, सब्जियां या जड़ी-बूटियों को मिलाकर बनाया गया पानी है। आप इसे फ्रूट-इन्फ्यूज्ड वॉटर या फ्रूट सलाद वॉटर भी कह सकते हैं। आप घर पर कई अलग-अलग तरीकों से डिटॉक्स वॉटर बना सकते हैं। डिटॉक्स वॉटर बनाने के लिए आप अपनी पसंद के फल, सब्जियां और जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। डिटॉक्स वॉटर में लेमन डिटॉक्स और मास्टर क्लींज जैसे डिटॉक्स वॉटर ज्यादा मशहूर हैं।

डिटॉक्स वॉटर वजन घटाने में मदद करता है। इसे पीने से मेटाबॉलिज्म तेज़ होता है और कैलोरी में कम होने की वजह से इस पानी को पीने से मोटापा कम होता है। डाइटिंग करने वाले लोगों को अक्सर इस तरह का डिटॉक्स वॉटर पीने की सलाह दी जाती है।इस तरह के पानी में सोडा और फ्रूट जूस से कम कैलोरी होती है।

लिवर को समय-समय पर डिटॉक्स किया जाना चाहिए। इसके लिए आप गर्म हल्दी वाला पानी या हल्दी वाली चाय पी सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन होता है जो सूजन को कम करता है और लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। इसके अलावा आंवला जूस, अदरक और नींबू पानी भी लिवर और किडनी को डिटॉक्स करता है। ग्रीन टी और करेले का जूस भी लिवर और किडनी के फंक्शन को बेहतर बनाने में कारगर है। आप इन चीजों से डिटॉक्स वॉटर बनाकर पी सकते हैं।

ध्वनि भानुशाली अभिनय की दुनिया में कदम रखने को हुई तैयार

भारतीय सिनेमा की जानी-मानी गायिका ध्वनि भानुशाली अभिनय की दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। उन्होंने अपनी फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम कहां शुरू कहां खत्म है। इस फिल्म के जरिए वह बॉलीवुड में बतौर अभिनेत्री कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म में ध्वनि के साथ अशीम गुलाटी नजर आएंगे। इस पारिवारिक मनोरंजक फिल्म कहां शुरू कहां खत्म का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है, जिसमें ध्वनि और अशीम की जोड़ी नजर आ रही है।

इस फिल्म का निर्देशन सौरभ दासगुप्ता ने किया है, वहीं लक्ष्मण उटेकर ने इसे ऋषि विरमानी के साथ मिलकर लिखा है।फिल्म कहां शुरू कहां खत्म 20 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।इस फिल्म में सुप्रिया पिलगांवकर, राकेश बेदी, सोनाली सचदेव, राजेश शर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, चितरंजन त्रिपाठी, विक्रम कोचर, हिमांशु कोहली और विकास वर्मा जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

ध्वनि एक भारतीय गायिका हैं। उन्होंने अपने संगीत करियर की शुरुआत फिल्म वेलकम टू न्यूयॉर्क के गाने इश्तेहार से की थी।उन्होंने नेहा कक्कड़ के साथ दिलबर और गुरु रंधावा के साथ इशारे तेरे जैसे गाने भी गाए हैं।ध्वनि को मैं तेरी हूं, वास्ते, मुखड़ा वेख के और लेजा रे जैसे गानों के लिए जाना जाता है।पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी का लिखा हुआ गाना गरबो भी ध्वनि ने ही गाया था।

वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल हर अवतार में कहर ढाती हैं पूजा हेगड़े, लेटेस्ट फोटोज देख फैंस के उड़े होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपने ग्लैमरस लुक्स से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

पूजा हेगड़े की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने बेहद ही खूबसूरत कढ़ाई दार लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों की हाई पोनीटेल बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पूजा हेगड़े कैमरे के सामने कातिलाना अंदाज में कहर ढाती हुई नजर आ रही हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही बवाल मचा रहा है। पूजा हेगड़े जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- बेहद खूबसूरत। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- सो हॉट एंड ग्लैमरस। तीसरे यूजर ने लिखा है- कितनी खूबसूरत हैं आप। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं, और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। पूजा हेगड़े की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

चेहरे की रंगत को दोगुना कर देगा ये जूस, रोज करें इसका सेवन

अगर आप अपने चेहरे की रंगत को निखारना चाहते हैं, तो यह जूस आपकी मदद कर सकता है। इस जूस को रोजाना पीने से आपकी त्वचा में चमक बढ़ेगी और रंगत दोगुनी हो जाएगी। इसे बनाना भी आसान है और इसको रोजाना पीने से आपकी त्वचा हेल्दी और खूबसूरत दिखेगी। आइए जानते हैं इस जूस को कैसे बनाएं।

- **जूस की सामग्री:** सेब: सेब एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो त्वचा को प्रदूषण और उम्र बढ़ने के प्रभावों से बचाता है। सेब का रोजाना खाने से त्वचा को ताजगी और निखार देता है।
- **चुकंदर:** चुकंदर में आयरन, फोलेट, और विटामिन सी होते हैं, जो खून की कमी को दूर करते हैं और त्वचा को गुलाबी और चमकदार बनाते हैं। यह शरीर में रक्त संचार को भी बेहतर बनाता है, जिससे त्वचा की कोशिकाओं को अधिक ऑक्सीजन मिलती है और वे स्वस्थ रहती हैं।
- **गाजर:** गाजर में बीटा-कैरोटीन होता है, जो विटामिन ए में बदल जाता है और त्वचा को प्राकृतिक चमक देता है। गाजर खाने से त्वचा को धूप के हानिकारक प्रभावों से भी बचाता है और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करता है।
- **आंवला:** आंवला में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा के लिए एक प्राकृतिक टॉनिक का काम करता है। यह त्वचा की इम्यूनिटी को बढ़ाता है और उसे हेल्दी रखता है।
- **अदरक:** अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं और त्वचा को साफ-सुथरा रखते हैं।
- **नींबू का रस:** नींबू का रस जूस में ताजगी और अतिरिक्त विटामिन सी जोड़ता है, जो त्वचा की रंगत को निखारने में मदद करता है।

जूस बनाने की विधि

इस जूस को बनाने के लिए सबसे पहले चुकंदर, गाजर, सेब, आंवला और अदरक को अच्छी तरह धोकर छोटे टुकड़ों में काट लें। इन्हें मिक्सर या जूसर में डालकर अच्छी तरह पीस लें। पीसने के बाद, इसमें नींबू का रस मिलाएं और जूस को तुरंत पी लें। इसे सुबह खाली पेट पीना सबसे फायदेमंद होता है।

जूस के फायदे

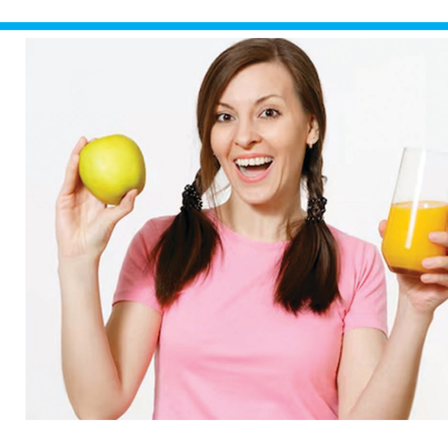

इस जूस का रोजाना पीने से त्वचा की रंगत को निखारने के साथ-साथ कई अन्य लाभ भी देता है। यह जूस शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालता है, जिससे त्वचा की प्राकृतिक चमक बरकरार रहती है। इसके अलावा, यह शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है, जो त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी होते हैं। इससे न केवल त्वचा की रंगत में सुधार होता है, बल्कि त्वचा मुलायम और कोमल भी बनती है।

चुनाव प्रबंधनः विगत संपन्न चुनावों के अनुभव पर भारतीय लोक प्रशासन संस्थान छत्तीसगढ़ शाखा द्वारा व्याख्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त मुख्य सचिव सुयोग्य कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आज यहाँ सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम गृह में चुनाव प्रबंधन की चुनोतियां विगत चुनावो के अनुभव विषय पर व्याख्यान व परिचर्चा आयोजित की गई। मुख्य वक्ता के रूप में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रीना बाबा साहब कंगाले ने अपना व्याख्यान दिया।

2 जुलाई 2024 को छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 के अधीन समितियों के असिसटेंट रजिस्ट्रार, रायपुर, संस्था के सोसायटी के रुप में पंजीयन किये जाने के उपरांत विधिवत भारतीय लोक प्रशासन संस्थान छत्तीसगढ़ शाखा गठित की गयी है। जिसमें सुयोग्य मिश्रा पूर्व मुख्य सचिव की अध्यक्षता एव इंदिरा मिश्रा तथा अजय सिंह की उपअध्यक्षता में कार्यकारिणी का गठित की गयी है। यह संस्था भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की नई दिल्ली स्थित मुख्य शाखा के नेतृत्व एवं मार्ग दर्शन में यह संस्था एक स्वायत्त सोसायटी के रुप में छत्तीसगढ़ राज्य संबधित लोक प्रशासन के प्रबंधन प्रशिक्षण एवं सूचनाओं के प्रचार प्रसार की गतिविधियों संपादित करेगी एवं राज्य सरकार को अपेक्षित सहयोग प्रदान करेगी।

रीना बाबा कंगाले ने अपने संबोधन में अवगत कराया कि वर्ष 2024 पूरे विश्व में चुनाव के दृष्टिकोण से एक ऐतिहासिक वर्ष होगा क्योंकि विश्व के 80 देशों के 4 बिलियन से ज्यादा लोग चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे एवं अपने राजनैतिक प्रतिनिधियों का चयन करेंगे। भारत चुनाव के दृष्टिकोण से पूरे विश्व में एक आकर्षण का केंद्र होगा क्योंकि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में विशाल जनसंख्या के द्वारा मतदान के प्रबंधन का कार्य किया जा रहा है। वैसे भी विगत विधान सभा एवं लोकसभा के भारत में हुये चुनाव का शांतिपूर्ण पूरा हो जाना अपने आप में विश्व के देशों लिये एक कौतुहल का विषय हो गया। इसमें छत्तीसगढ़ का भी विशेष योगदान है। क्योंकि इतनी सांस्कृतिक और भौगोलिक विविधता तथा विशाल क्षेत्र में जो कि यूक्रेन, श्रीलंका, घाना जैसे देशों से भी बड़ा क्षेत्र है वहां लगभग 2 करोड़ मतदाताओं के द्वारा शांतिपूर्ण मतदान पूर्ण कराया जाना वास्तव में प्रशासन की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। विशेष रुप से बस्तर जैसे माओवाद प्रभावित क्षेत्र में शांतिपूर्वक मतदान का संपन्न होना हमारे जवानों एवं चुनाव में भाग लेने वाले सभी अधिकारी कर्मचारी एव मतदाताओं के समर्पण एवं जागरुकता का ही फल है। बिना उनके सहयोग एवं भाग्य के साथ दिये संभव नहीं है। यद्यपि हमारी टीम के द्वारा इतने बड़े चुनाव कार्य को एक आपदा प्रबंधन का कार्य मानकर काफी समय पूर्व से योजनाबद्ध तरीके से तैयारी के लिये अनवरत प्रयास से ही यह चमत्कार संभव हो सका है। वर्ष 2018 की तुलना में वोटिंग प्रतिशत में राष्ट्रीय लक्ष्य से ज्यादा विधान सभा के 76 प्रतिशत एवं लोक सभा में 78 प्रतिशत का लक्ष्य पहुँचना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। नक्सलियों के चुनाव बहिष्कार के वावजूद मतदाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया यह एक अभूतपूर्व सफलता है इसके लिये जवानों एवे मतदाताओं की इच्छा शक्ति की जितनी भी तारीफकी जाये कम है।

सर्वप्रथम सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव इंदिरा मिश्रा ने पुष्प गुच्छ से उनका स्वागत किया। तत्पश्चात अध्यक्ष सुयोग्य मिश्रा ने रीना बाबा कंगाले के विभिन्न पदों पर कार्य करने की जानकारी दी एवं उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया कि कंगाले के विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य करने के विस्तृत अनुभव के साथ उन्हें विगत विधान सभा चुनाव 2023 में चुनाव प्रबंधन का कार्य सुचारु रुप से संपन्न करने हेतु बेस्ट परफार्मिंग स्टेट के लिये नई दिल्ली में सम्मानित किया गया।

स्वाइन-फ्लू से निपटने स्वास्थ्य विभाग ने किए पुख्ता इंतजाम

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन-फ्लू सहित मौसमी बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम के लिए लोगों को सजग रहने और पर्याप्त सावधानी बरतने की अपील की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट रहकर अस्पतालों में पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बिलासपुर जिले में स्वाइन-फ्लू से संबंधित जानकारी और सुझाव के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी किए हैं। ये नम्बर दिन-रात चालू रहेंगे। स्वाइन-फ्लू के लक्षण की जरा भी आशंका होने पर इन नम्बरों पर संपर्क कर त्वरित सहायता प्राप्त की जा सकती है।

बिलासपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभात श्रीवास्तव ने सभी स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारियों को स्वाइन-फ्लू को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि स्वाइन-फ्लू के जरा भी लक्षण दिखने पर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर इसकी जांच और उपचार करवाएं। यह स्वाइन-फ्लू सहित मौसमी बीमारियों के संक्रमण का अनुकूल मौसम है।

स्वाइन-फ्लू का वायरस तेजी से हवा में फैलता है। किसी भी तरह की सहायता के लिए सिम्स के हेल्पलाइन नम्बर 75874-85907, जिला अस्पताल में 07752-480251, अपोलो अस्पताल में 97555-50834 और स्वास्थ्य विभाग के टोल-फ्री नम्बर 104 पर संपर्क किया जा सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि स्वाइन-फ्लू के लक्षण आम सर्दी-खांसी और बुखार के लक्षणों जैसे होते हैं। स्वाइन-फ्लू का वायरस मनुष्य के श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। ये फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। फेफड़े धीरे-धीरे काम करना बंद कर देते हैं। उन्होंने सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि सर्दी-खांसी के मरीजों से बात करते समय मुंह में रूमाल रखें या मास्क का प्रयोग करें। साथ ही बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोएं या हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करें। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें।

राज्य स्तरीय उल्लास मेला 8 सितम्बर को, मुख्यमंत्री साय करेंगे उल्लास साक्षरता अभियान का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेश में राज्य स्तरीय उल्लास मेले में उल्लास साक्षरता अभियान का शुभारंभ करेंगे। राज्य स्तरीय उल्लास मेले का आयोजन रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 8 सितम्बर को किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के मंत्रीगण, सांसद, विधायक सहित जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

एससीईआरटी के संचालक श्री कटारा ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय उल्लास मेले में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित गतिविधियों के 10 स्टॉल लगाए जाएंगे। उल्लास साक्षरता अभियान के शुभारंभ और मेले का प्रसारण सोशल मीडिया के जरिए सभी ब्लॉक मुख्यालयों और पंचायत स्तर पर किया जाएगा।

श्री कटारा ने बताया कि राज्य में शिक्षा और साक्षरता के प्रति जनजागरण के लिए 01 सितंबर से 07 सितंबर तक साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया जाएगा, जिसके तहत प्रदेश के विभिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग कार्यक्रम होंगे। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण व एससीईआरटी के संचालक श्री राजेंद्र कुमार कटारा ने बताया कि उल्लास कार्यक्रम के लिए ब्रांड एंबेसडर भी बनाया जाएगा। 10वीं व 12वीं के बोर्ड परीक्षा के शिक्षार्थियों साक्षरता अभियान में योगदान के लिए उन्हें बोनस अंक भी दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों की 9 महिला पत्रकारों को मिलेगा आशा इक़बाल महिला पत्रकार सम्मान

27 अगस्त को याद ए मुकेश कार्यक्रम के दौरान होगा समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई-रायपुर में आशा इक़बाल महिला पत्रकार सम्मान की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह प्रतिष्ठासूचक सम्मान प्रदान करने का सिलसिला वर्ष 2013 से निरंतर जारी है और अब तक 25 महिला पत्रकारों को सम्मानित किया जा चुका है। इस सम्मान से वर्ष-2024 के 12वें वर्ष में छत्तीसगढ़ सहित देश के 5 राज्यों (छत्तीसगढ़, असम, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं ओडिशा) की 9 चुनिंदा महिला पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा।

आशा इक़बाल महिला पत्रकार सम्मान-2024 में चयनित राजश्री राव यादव (नागपुर-महाराष्ट्र), सेमिम सुल्ताना अहमद (गुवाहाटी-असम), किरण दिनेश जैन (सिवनी-म.प्र.), मंजुला पटनायक (कोरापुट-ओडिशा), बिजयालक्ष्मी (गंजाम-ओडिशा), मालिनी सुब्रमण्यम (जगदलपुर-छग), ममता लांजेवार(रायपुर-छग), सिमरन पन्गरे (रायगढ़-छग) एवं डॉ.रत्ना पांडेय(रायपुर-छग) को सम्मानित किया जाएगा। यह सभी 9 महिला पत्रकार प्रतिष्ठित अखबारों,इलेक्ट्रॉनिक एवं पोर्टल मीडिया में कई वर्षों से पत्रकारिता में सक्रियता से कार्यरत हैं।

यह महिला पत्रकार सम्मान इस्पात नगरी भिलाई में वरिष्ठ पत्रकार बीडी निज़ामी एवं उनके कर्मठ साथियों की टीम से सुसज्जित मीडिया ग्रुप (भिलाई-दुर्ग) एवं एसआरजी (भिलाई इस्पात संयंत्र) की संयुक्त प्रस्तुति में बीते 22 वर्षों से आयोजित यादें मुकेश की सांगीतिक प्रस्तुति के पूर्व होता है। आशा इक़बाल महिला पत्रकार आत्मीय सम्मान समारोह का आयोजन गणमान्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में प्रतिवर्ष की तरह आगामी 27 अगस्त को भिलाई के सेक्टर-वन स्थित नेहरू कल्चरल हाउस सभागार में होने जा रहा है।

भारत और अमेरिका मिलकर वैश्विक शांति और समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैंः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (पीआईबी)। भारत और अमेरिका मिलकर एक ऐसी दुर्जेय ताकत बनते हैं, जो दुनिया में शांति, समृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित कर सकती है। यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 22 अगस्त, 2024 को चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर वाशिंगटन पहुंचने के बाद भारतीय प्रवासियों से बातचीत करते हुए कही। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका स्वाभाविक सहयोगी हैं, जो नियति से मजबूत साझेदार हैं और यह सहयोग लगातार बढ़ रहा है। श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व के तहत वैश्विक मंच पर भारत का कद बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता था, लेकिन आज उसकी बात पूरी दुनिया बड़े ध्यान से सुनती है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले भारत निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली द्वारा गढ़े गए 'नाजुक पांच' देशों में से एक था, और आज भारत दुनिया की 'शानदार पांच' अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने इस फर्म की अभी हाल की रिपोर्ट का संदर्भ देते हुए कहा कि आज उसमें बताया गया है कि भारत वर्ष 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोविड-19 महामारी के बारे में सरकार की कार्रवाई ने यह सुनिश्चित किया कि अन्य देशों की तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

राजनाथ सिंह ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपरलाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि नवीनतम आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति पांच साल के निचले स्तर 3.54 प्रतिशत पर आ गई है और विदेशी मुद्रा भंडार 675 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्ले ख किया, जिसमें 5,000 से ज़्यादा वस्तुओं वाली सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची की अधिसूचना भी शामिल है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह सुनिश्चित करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि अत्याधुनिक रक्षा वस्तुओं का निर्माण भारत भूमि पर घरेलू कंपनियों द्वारा किया जाए।

राजनाथ सिंह ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि मौजूदा सरकार के सत्ता में आने से पहले रक्षा निर्यात 600 करोड़ रुपये का था, जो अब उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 21,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों के कारण, देश में स्टार्ट-अप की संख्या जो वर्ष 2014 में लगभग 400 थी अब बढ़कर 1.20 लाख हो गई है। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय सरकार की नीतियों और योजना के साथ-साथ इच्छाशक्ति को दिया। प्रधानमंत्री के विजन का उल्ले ख करते हुए उन्होंने कहा कि हम विकसित भारत को एक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र बनाना चाहते हैं। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन के समापन में अमेरिका में भारतीय समुदाय से 'वसुधैव कुटुम्बकम' (विश्व एक परिवार है) की भावना के अनुरूप पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करने का आग्रह किया। राजनाथ सिंह के आगमन के साथ ही दोनों पक्षों के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने दो प्रमुख समझौतों-आपूर्ति प्रबंधन की सुरक्षा (एसओएसए) और संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्तापक्षर किए।

अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक आयोजित करेंगे। वह राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के लिए राष्ट्रपति के अमेरिकी सहायक जेक सुलिवन से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, वे मौजूदा और भविष्य के रक्षा सहयोग पर अमेरिकी रक्षा उद्योग के साथ एक उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक की अध्यक्षता करेंगे। रक्षा मंत्री की इस यात्रा से भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत और व्यापक होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार ने 156 दवाओं पर लगाया प्रतिबंध, पेट दर्द और फैटी लिवर की दवाएं भी इनमें शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और मल्टीविटामिन दवाएं शामिल हैं। जांच में यह दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरी तो सरकार ने ये कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर इन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है।

प्रतिबंधित एफडीसी दवाओं में एंटीबायोटिक्स, एंटी-एलर्जिक्स, दर्द निवारक, मल्टीविटामिन और बुखार व हाई ब्लड प्रेशर के लिए दवाएं शामिल हैं। नोटिस में कहा गया कि ये निर्णय औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड और केंद्र सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के बाद लिया गया है। इस मामले की जांच केंद्र सरकार और डीटीएबी द्वारा नियुक्त एक विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई। इसमें दोनों निकायों ने सिफारिश की कि एफडीसी में डाले गए केमिकल का कोई मेडिकल औचित्य नहीं है।

लिस्ट में प्रमुख एफडीसी दवाओं में मेफेनामिक एसिड और पैरासिटामोल इंजेक्शन भी शामिल हैं। ओमेप्राज़ोल मैग्नीशियम और डायसाइक्लोमाइन एचसीएल की खुराक, इसका उपयोग पेट दर्द के इलाज के लिए किया जाता है। ओमेप्राज़ोल मैग्नीशियम और डाइसाइक्लोमाइन एचसीएल संयोजन वाले प्रमुख ब्रांडों में मैनकाइंड फार्मा का रानीस्पास और ज़ोइक लाइफसाइंसेज का जेनस्पास शामिल हैं।

अन्य एफडीसी में उर्सोडिऑक्सीकोलिक एसिड और मेटफॉर्मिन एचसीएल का संयोजन शामिल है। इसका उपयोग मधुमेह से पीड़ित लोगों में फैटी लीवर के इलाज के लिए किया जाता है। साथ ही पोविडोन आयोडीन, मेट्रोनिडाजोल और एलो की खुराक का उपयोग त्वचा संक्रमण की रोकथाम और उपचार के लिए किया जाता है।

उर्सोडिऑक्सीकोलिक एसिड और मेटफॉर्मिन एचसीएल एफडीसी के प्रमुख ब्रांडों में एरिस लाइफसाइंसेज द्वारा निर्मित हेपेक्सा एम टैबलेट शामिल हैं। मैक्सुन बायोटेक का मैकडिन एएम ऑइंटमेंट और मेडक्योर फार्मा का पोविओल एम ऑइंटमेंट पोविडोन आयोडीन, मेट्रोनिडाजोल और एलो की संयुक्त खुराक के सामान्य रूप से उपलब्ध उदाहरण हैं।

मंत्रालय ने कहा कि इन एफडीसी के उपयोग से लोगों को बड़ी संख्या में खतरा होने की संभावना है, जबकि दवा के सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं। नोटिस में कहा गया कि डीटीएबी ने इन दवाओं के दावों को सही नहीं पाया और यह निर्णय लिया कि इनसे मरीज को होने वाला नुकसान लाभ से अधिक है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

गांजा तस्कर गिरफ्तार, 2 लाख रुपए का गांजा बरामद, ओड़िशा से कर रहा था तस्करी

बालोद। एनएच 30 पर ग्राम जगतरा दुर्गा मंदिर के पास पुरूर पुलिस ने कार से 21 किग्रा गांजा बरामद कर आरोपी सहदेव (28) निवासी जयनगर एमवी 42 मलकानगिरी (ओडिशा) को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेजा। आरोपी के कब्जे से 2.10 लाख रुपए के गांजा के अलावा पुलिस ने नकद 600 रुपए, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, कार को जब्त किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि सिल्वर रंग के कार में एक व्यक्ति सवार है। कार में गांजा छिपाकर मलकानगिरी, कोण्डागांव की ओर से केशकाल, कांकेर के रास्ते रायपुर की ओर जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान कार चालक आया। जिसके बाद पुलिस को देखकर स्पीड से कार को चलाकर धमतरी की ओर जा रहा था। इस दौरान ग्राम चिटौद ढाबा के पीछे नर्सरी के पास पेड़ से कार टकरा गई। चोट आने की वजह से आरोपी भाग नहीं पाया। कार की चेकिंग करने पर 12 पैकेट में गांजा मिला।

मुंगेली बीईओ का बेटा मिनी बस्ती में चाकू लहराते गिरफ्तार

बिलासपुर। विकासखंड शिक्षा अधिकारी का बेटा मिनी बस्ती में चाकू दिखाकर लोगों को धमकाते हुए पकड़ा गया। उसके खिलाफ पूर्व में भी ढेरों शिकायतें पुलिस को मिल चुकी हैं। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मिनी बस्ती जतिया तालाब के पास एक युवक चाकू दिखाकर लोगों का धमका रहा है। इस पर सिविल लाइन टीआई प्रदीप आर्य अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तालाब के पास एक युवक लोहे का धारदार चाकू दिखाकर लोगों को डरा धमका रहा था। उसे घेराबंदी करके पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम पार्थ उर्फ सैम मंडलोई (19 वर्ष) निवासी रामा लाइफ सिटी सकरी बताया। बता दें युवक के खिलाफ पूर्व में कई शिकायतें पुलिस को मिल चुकी हैं। युवक की मां प्रतिभा मंडलोई मुंगेली में बीईओ हैं। पिता बंशीलाल मंडलोई मस्तूरी में प्रोफेसर के पद पर पदस्थ हैं।

ट्रेलर खेत में घुसा, दर्री-कटघोरा मार्ग पर 1 घंटे जाम लगा

कोरबा। दर्री से कटघोरा मार्ग पर गोपालपुर से छुरी के बीच शुक्रवार को ट्रेलर अनियंत्रित होकर खेत में घुस गया। उसका आधा हिस्सा सड़क पर होने के कारण मार्ग पर जाम लग गया। इससे लोग परेशान रहे। ट्रेलर को हटाने के लिए हाइड्रा मंगाया गया। इसकी वजह से भी दोनों और वाहनों की कतार लगी रही। लोगों ने बताया कि राखड़ परिवहन करने वाला ट्रेलर सड़क में गड्ढे की वजह से अनियंत्रित हो गया। यह तो अच्छा हुआ कि वाहन की चपेट में कोई नहीं आया। ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई। जब ट्रेलर को किनारे किया गया उसके बाद ही आवाजाही शुरू हो सकी। 1 घंटे से अधिक समय तक जाम लगने पर कई यात्री बसें भी फंसी रही। इस मार्ग पर 24 घंटे भारी वाहनों का दबाव रहता है।

पानी की टंकी के ऊपर फंदे पर महिला की लटकती हुई लाश मिली

बीजापुर। जिला मुख्यालय के अटल आवास में बनी पानी की टंकी के ऊपर एक महिला की लाश लटकती हुई मिली है। नगरीय क्षेत्र में महिला की लाश मिलने से लोगों के बीच सनसनी फैल गई हैं। शनिवार की सुबह नगर के अटल आवास में बने पानी की टंकी के ऊपर एक महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। महिला का शव पानी की टंकी के स्टैंड में मिली हैं। वहीं, लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। थाना प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने बताया की अटल आवास के पानी टंकी के पास एक महिला का फांसी के फंदे पर लटकती हुई लाश मिली। इस घटना की जांच की जा रही है यह आत्महत्या है या हत्या। यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

फेसबुक पर अनजान से दोस्ती महिला अधिवक्ता को पड़ गई भारी, 37 लाख की ठगी का हुई शिकार

रायपुर निवासी महिला अधिवक्ता को दिया झांसा, भिलाई नगर पुलिस ने दर्ज किया केस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। फेसबुक पर अनजान व्यक्ति से दोस्ती करना राजधानी रायपुर की एक महिला अधिवक्ता को भारी पड़ गया। महिला अधिवक्ता अनजान फेसबुक फ्रेंड से इतना ज्यादा प्रभावित हो गई थी उसकी हर बात मानने लगी। यहां तक उसने खुद को डॉक्टर बताया तो वह भी मान गई। इसी तरह एक दिन ओमान जाने और अकाउंट एक्सेस नहीं होने की जानकारी देते हुए रुपए मांगे। महिला अधिवक्ता ने बिना कुछ सोचे समझे उसे 6 लाख रुपए भेज दिए। इसके बाद यह सिलसिला चल निकला। महिला अधिवक्त ने पूरे 37 लाख गवाएं तब जाकर पता चला कि उसे ठगा जा रहा है। इसके बाद महिला ने भिलाई नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में भिलाई नगर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि रायपुर सुड्डू निवासी अधिवक्ता सरिता सिंह ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि अप्रेल 2024 में उसका परिचय एक अनजान व्यक्ति फेसबुक के माध्यम से हुआ। उसने अपना नाम डॉ नेल्सन जेकित बताया। फेसबुक से परिचय होने के बाद धीरे धीरे चैटिंग होने लगी और मित्रता बढ़ गई। इस दौरान दोनों ने आपस में अपने मोबाइल नंबर भी शेयर कर लिए और इसके बाद दोनों के बीच वाट्सएप पर चैटिंग होने लगी। डॉ नेल्सन ने महिला को पूरी तरह से अपने बातों में फंसा लिया था।

वापस लौटाने का दिलाया भरोसा

डॉक्टर नेल्सन ने महिला अधिवक्ता से 5 लाख रुपए दो किश्तो में, 10 लाख रुपए और 1 लाख 20 हजार रुपए की मांग की। महिला अधिवक्ता ने इन रुपयों को भी जमा कराया। डॉक्टर ने रुपए वापस लौटाने का भरोसा भी दिलाया था। वापस पहुंचने के बाद डॉक्टर ने एक एटीएम महिला अधिवक्ता को भेजा और कहा कि उसके खाते में 4 करोड़ रुपए हैं। इसके लिए कुछ टैक्स देना है तो महिला अधिवक्ता ने दो किश्तों में रुपए भेजे। इसके बाद महिला अधिवक्ता सिविक सेंटर स्थित एसबीआई के एटीएम जाकर 13 अगस्त 2024 को चेक किया तो उसमें बैलेंस न्यूनतम था।

30 लाख रुपए की फिर हुई डिमांड

इसके बाद सामने वालों ने महिला का मेल आईडी मांगी और बैंक द्वारा मेल करने की बात कही गई। इसके बाद मेल आया कि 30 लाख रुपए पे करने पर एटीएम चलाने की पात्रता मिलेगी। महिला ने मना किया तो उसे इंटरपोल की धमकी भी दी गई। इस दौरान महिला अधिवक्ता से बैंक मैनेजर के नाम कॉल भी किया गया। लगातार प्रेसर बनाकर महिला अधिवक्ता से 2 लाख रुपए और ले लिए। इसके बाद महिला अधिवक्ता को अहसास हुआ कि उसके साथ बड़ा फ्रॉड हुआ है। इसके बाद महिला अधिवक्ता ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई। महिला अधिवक्ता ने बताया कि अधिकतम ट्रांजेक्शन उसने भिलाई व रायपुर से किए थे। फिलहाल इस मामले में भिलाई नगर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पता तलाश की जा रही है।

महिला अधिवक्ता को इमोशनली ब्लैकमेल कर मांगे रुपए

इसबीच एक दिन नेल्सन ने बताया कि वह विदेश यात्रा पर ओमान जा रहा है और उसकी फ्लाईट टिकट सरिता सिंह को वाट्सएप किया। इस दौरान उसने कहा कि उसका बैंक एकाउंट मुझसे एक्सेस नहीं हो पा रहा है और सरिजा सिंह को डिटेल भेजकर एक्सेस करने कहा। इस दौरान उसने भावनात्मक रूप से 6 लाख रुपए की मांग की। सरिता सिंह ने मित्रता के नाते 6 लाख ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद डॉक्टर ने महिला अधिवक्ता से लगातार रुपए मांगे और उसने जमा भी करा दिए।

हेरोइन का नशा बेच रहे बदमाश, लग्जरी कार में घूमकर कर रहे थे सौदा

■ जामुल थाना क्षेत्र का मामला, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में पुलिस ने हेरोइन का नशा बेचने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। लग्जरी कार में यह दोनों बदमाश युवाओं को नशा बेच रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 ग्राम हेरोइन, कार में रखा चाकू व तराजू जब्त किया है। साथ ही पुलिस ने इनके पास से लग्जरी कार भी बरामद की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस की धारा 21 (ख), 22 एवं धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

बता दें पुलिस अधीक्षक के द्वारा एक युद्ध नशे के विरूद्ध चलाए जा रहे सकंल्प अभियान के तहत सूखा नशा पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने के लिए निर्देश जारी

किया गया। इसी कड़ी में दुर्ग पुलिस द्वारा जिले में नशा के सौदागरों शिकंजा कसने कार्रवाई की जा रही है। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि 2 व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ हेरोइन (चिटटा) का खुर्सीपार से शंकर नगर जामुल की ओर सिल्वर रंग की डस्टर कार से परिवहन कर रहे हैं। सूचना थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक कपिल देव पाण्डेय एवं निरीक्षक तापेश नेताम प्रभारी के नेतृत्व में थाना जामुल एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम गठित कर रवाना किया गया।

मुखबिर सूचना अनुसार एसएस अस्पताल शंकर नगर, थाना जामुल अंतर्गत सिल्वर रंग की डस्टर कार क्रमांक CG 10 NC 9998 को रोककर चेक करने पर 2 व्यक्तियों के पास से मादक पदार्थ हेरोइन (चिटटा) एवं चिटटा बिक्री के लिए इलेक्ट्रानिक तराजू एवं वाहन में रखे चाकू बरामद किया गया है। आरोपियो के द्वारा घटना में उपयोग की जा रही वाहन कार क्रमांक CG 10 NC 9998 को भी पुलिस के द्वारा जब्त कर एनडीपीएस की धारा 21 (ख), 22 एवं धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर आरोपी रोशन कुमार साव एवं दीपक गुप्ता को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। इस कार्रवई में प्रधान आरक्षक मुरलीधर कश्यप, आरक्षक रिंकू सोनी, गुनीत राम निर्मलकर, राकेश चौधरी तथा थाना जामुल के आरक्षक अजय सिंह, गंभीर जाट, बालेन्द्र द्विवेदी, चेतमान गुरुंग, एस दिनेश, सुनील ठाकुर की भूमिका सराहनीय रही। पुलिस का कहना है कि इन आरोपियों के जरिए जल्द ही बड़े सरगना को पकड़ेंगे। छावनी सीएसपी हरीश पाटिल ने बताया कि दुर्ग पुलिस अधीक्षक पूरे जिले में एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान चलाया हुआ है। इसके तहत हर संदिग्ध वाहन को चेक करने और अवैध नशा बेचने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। साथ ही लोगों को नशे के खिलाफजागरूक करने के निर्देश दिए हैं।

लिफ्ट देकर नाबालिग से दुष्कर्म, गिरफ्तार

कोरबा (ए.)। स्कूल से पैदल घर लौट रही एक 13 साल बच्ची को रास्ते में बाइक सवार युवक लिफ्ट देने के बहाने सूनसान स्थान पर ले जाकर उससे दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया जिसे पुलिस ने पकड़कर हिरासत में लिया है।

सिटी कोतवाली अंतर्गत शहर के एक वार्ड में रहने वाली 13 वर्षीय बच्ची गुरुवार शाम स्कूल से छुट्टी होने पर पैदल घर लौट रही थी। इस दौरान बाइक सवार 30 वर्षीय कृष्ण यादव निवासी सर्वमंगला शांति नगर उसके पास पहुंचा। उसने घर तक लिफ्ट देने की बात कही। बच्ची जल्दी घर पहुंचने के चक्कर में बाइक पर बैठ गई। इसके बाद युवक उसे सूनसान जगह ले गया, जहां दुष्कर्म किया। घटना को अंजाम देकर आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। दूसरी ओर पीड़िता बच्ची डरी-सहमी घर पहुंची और मां के पास पहुंचकर रोने लगी। पूछने पर उसने घटना के बारे में बताया।

परिजन उसे लेकर सिटी कोतवाली पहुंचे। जहां पुलिस ने मामले में दुष्कर्म व पॉस्को एक्ट का केस दर्ज कर लिया। पीड़िता आरोपी को पहचानती नहीं थी इसलिए शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले गए। जिसमें आरोपी की पहचान हुई। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम ने संभावित स्थानों पर खोजबीन शुरू की। आरोपी मूलतः तिलेकजा (उरगा) का निवासी होने पर एक टीम वहां पतासाजी कर रही थी। इस दौरान शुक्रवार की दोपहर मुखबिर की सूचना पर आरोपी युवक को भैसमा बाजार के पास से पुलिस टीम ने घेराबंदी करके पकड़ लिया। घटना में प्रयुक्त बाइक व आरोपी के मोबाइल को जप्त कर लिया गया है।

पैसों के लेनदेन पर बिगड़ी बात, विवाद के बाद हेल्पर ने पिकअप चालक की टांगी से वारकर की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पैसों के लेनदेन को लेकर बात ऐसी बिगड़ी कि हेल्पर ने पिकअप चालक की हत्या कर दी। विवाद के बाद हेल्पर ने टांगी से पिकअप चालक पर जोरदार हमला किया और फरार हो गया। घटना के बाद गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। फरार आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया। यह पूरा मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र के तहत ग्राम देलारी में संचालित विंध्याचल एसएस ऑक्सीजन प्लांट में 407 पिकअप चालक विरेन्द्र खम्हारी 26 साल का गुरुवार की रात 10:30 बजे उसके हेल्पर सूरज राठिया

के साथ पैसे की लेनदेन की बात को लेकर विवाद हो गया। दोनों के बीच विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि हेल्पर ने धारदार टांगी से विरेन्द्र पर ताबड़तोड वार करना शुरू कर दिया। गंभीर हालत में छोड़ वह फरार हो गया। प्लांट के कर्मचारियों ने घायल विरेन्द्र को अस्पताल पहुंचाया लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए रखवाया। पंचनामा के बाद प्लांट के कर्मचारियों का बयान लिया गया। विरेन्द्र को अस्पताल पहुंचाने वाले कर्मचारियों ने बताया कि वह सरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम लुकापारा का रहने वाला था। वह विंध्याचल एसएस ऑक्सीजन प्लांट के अंदर ही पिछले डेढ साल से किराये के मकान में रहते हुए पिकअप चला रहा था। कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि जब विरेन्द्र अपने कमरे में खाना खा रहा था तभी उसके चिल्लाने की आवाज सुने और उसके कमरे की ओर भागे। तब उसका हेल्पर टांगी लेकर भाग रहा था। कमरे में देखे तो विरेन्द्र खून से लथपथ पड़ा था। उसके बाद उसे अस्पताल ले गए जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी हेल्पर सूरज राठिया की तलाश की और शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2024/429/129 — भिलाई, दिनांक 08/08/2024

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगाः—

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	श्री रतनलाल पिता श्री बी. आर. यादव, निवासी– सी– 1, जनता क्वाटर, पदमनाभपुर, दुर्ग, तह. व जिला– दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती दुरपति बाई साहू, पति श्री पंकज लाल साहू, निवासी– मकान नं.– 202, वार्ड नंबर 12, कोकपुर, राजनांदगांव (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, बजरंग नगर (वार्ड नं.–7, फरीद नगर कोहका) अंदर भाग, भिलाई, खसरा नं.– 3610, रकबा–1305 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
2.	श्री कृष्णा कालोनाइजर्स, भागीदार श्री सुनील तापड़िया, आ. श्री सुरेशचन्द्र माहेश्वरी, से श्रीमती ज्योति लान्डे, ध.प. स्व. दत्तोपंत लान्डे, निवासी– मकान नं. 19–7504, जनप्रिया नीले वैली, रोड नं.– 12, पी.जे.आर. इनक्लेव, ग्राम व पो. चन्दा नगर, तहसील– सेरिलिनगमपल्ली, जिला– के.वी.रंगारेड्डी (तेलंगाना)	श्रीमती आकांक्षा काटेकर, आ. स्व. दत्तोपंत लान्डे, (ध.प.श्री सचिन कुमार काटेकर), निवासी– मकान नं. ई/10, एजुकेशन कालोनी, जयज्योति विद्यालय के पास, जे.पी.नगर, हुजूर, जिला– रीवा (म.प्र.)	बिक्रीनामा/ दानपत्र	कोहका, पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 09, (कृष्णा ग्रैण्ड सिटी फेस–IV पुरानी बस्ती अन्दर भाग) भिलाई, फ्लैट नं.– 42 (तृतीय तल), ब्लॉक नं. –ए–2, खसरा नं. –639/1, क्षेत्रफल–641 वर्गफुट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
3.	मेसर्स श्री कृष्णा कालोनाईजर पार्टनर श्री सुनील कुमार खापडिया आ. श्री सुरेश चंद्र माहेश्वरी, की ओर से आम मुख्त्यार ललित राठी आ. श्री प्रकाश चन्द्र राठी, निवासी– स्टेशन रोड, रायपुर तह. व जिला– रायपुर (छ.ग.)	श्री सुमित पापरिकर आ. वी.जी. पापरिकर, निवासी– फ्लैट नं.– 45, प्रथम तल, ब्लॉक ए 1, कृष्णा ग्रैण्ड सिटी कोहका, भिलाई, तह. व जिला– दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 13, (कृष्णा ग्रैण्ड सिटी फेस–IV पुरानी बस्ती अन्दर भाग) भिलाई, फ्लैट नं.– 45 (चतुर्थ तल), ब्लॉक नं. –ए–02, क्षेत्रफल–641 वर्गफुट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
4.	श्री हरभजन सिंह, पिता– स्व. रामअवतार सिंह, निवासी– ब्लाक–23, प्लाट नं.–07, नेहरू नगर– पश्चिम, भिलाई, तह. व जिला– दुर्ग (छ.ग.)	श्री जुगजोत सिंह आनंद, पिता– श्री इन्दरबीर सिंह आनंद, निवासी– ब्लाक–23, प्लाट नं.–07, नेहरू नगर– पश्चिम, भिलाई, तह. व जिला– दुर्ग (छ.ग.)	दानपत्र	वार्ड नं.– 03, मोती लाल नेहरू नगर पश्चिम आवासीय योजनांतर्गत, भिलाई, भूखण्ड/ भवन क्रमांक– 07, ब्लाक– 23, क्षेत्रफल– 216 वर्गमीटर, आवासीय भवन निर्मित।
5.	1. आदित्य के. पिता स्व. डॉ. राधाकृष्णा काकरापार्ती, 2. अनुषा के. पिता– स्व. डॉ. राधाकृष्णा काकरापार्ती, निवासी– एफ–806, होनर विवांटिस अपार्टमेंट तेल्लापुर, हैदराबाद.	1. श्री अनूप विश्वकर्मा पिता श्री शिवतहल विश्वकर्मा, 2. श्रीमती सुनीता कुमारी विश्वकर्मा पिता श्री उदेश्वर विश्वकर्मा, निवासी– फ्लैट नं.– 202, प्रिंस अपार्टमेंट, फेस 2, हेसाग, डॉन बॉस्को विद्यालय मार्ग के पास, हेसाग, हटिया, रॉची, झारखंड.	बिक्रीनामा	कोहका, वार्ड नं.– 12, सूर्या रेसीडेंसी अपार्टमेंट कोहका भिलाई, फ्लैट नं. गोल्ड 412, चतुर्थ तल, ब्लॉक–ए, रकबा– 1080 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
6.	मेसर्स श्री कृष्णा कालोनाईजर पार्टनर श्री सुनील कुमार खापडिया आ. श्री सुरेश चंद्र माहेश्वरी, की ओर से आम मुख्त्यार ललित राठी आ. श्री प्रकाश चन्द्र राठी, निवासी– स्टेशन रोड, रायपुर तह. व जिला– रायपुर (छ.ग.)	1. श्रीमती गायत्री गुप्ता, पति श्री गंगा प्रसाद गुप्ता, 2. श्री गंगा प्रसाद गुप्ता पिता श्री शम्भु प्रसाद गुप्ता, निवासी– क्वा. नं.– 58, अमरपाटन रोड के सामने, इतमा गोहराई, गोहराई, सतना(म.प्र.)	बिक्रीनामा	कोहका, पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 13, (कृष्णा ग्रैण्ड सिटी फेस–IV पुरानी बस्ती अन्दर भाग) भिलाई, फ्लैट नं.– 28 (तृतीय तल), ब्लॉक नं. –ए–01, क्षेत्रफल–641 वर्गफुट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)

लाठी डंडों से परिवार को पीटा, सात आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भाटापारा। छत्तीसगढ़ के भाटापारा इलाके में सामान खरीदने को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद सात लोगों ने एक घर पर हमला कर दिया। पुलिस हमला करने वालों को गिरफ्तार कर लिया है। परिवार के साथ गाली-गलौज और मारपीट का आरोप है।

समान खरीदने के लिए रात को दुकान नहीं खोलने पर सात लोगों ने घर के अंदर घुसकर दुकानदार सहीत परिवार के लोगों की पिटाई कर दी। शिकायत के अधार पर भाटापारा पुलिस सहायता केंद्र निपनिया पुलिस द्वारा मारपीट करने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी पर घर में घुसे, अश्लील

टिप्पणी की, गाली–गलौज की, लाठी डंडों से मारपीट करने का आरोप है।

प्रार्थिया द्वारा पुलिस सहायता केंद्र निपनिया में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोपी घनश्याम, मनीराम अपने साथियों के साथ मिलकर एक राय होकर, जबरदस्ती घर के अंदर घुस गए और अश्लील, गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी की। पति–पत्नी से मारपीट की। जिससे हम दोनों के सिर, कमर, पैर आदि में चोट आई है। रिपोर्ट पर पुलिस सहायता केंद्र निपनिया थाना भाटापारा ग्रामीण में अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पहले पुलिस ने सभी सात आरोपियों को हिरासत लिया गया। जिनसे पूछताछ करने पर दुकान नहीं खोलने की बात की। पूर्व में हुए वाद विवाद की बात को लेकर और घर में घुसने की बात स्वीकार की है। सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में बलराम उर्फ फुदू, घनश्याम, मनीराम, धनीराम, गणेश राम, प्रदीप व रामकिशुन यदु शामिल हैं।

CHHATTISGARH BIOFUEL DEVELOPMENT AUTHORITY (CBDA)
(Dept. of Energy, Govt. of Chhattisgarh)
Project Office, Biofuel Complex, Village -Godhi, Dist.Durg - 490036. Tel.: 7880161544
Tender No.CBDA/2024/PT/BEP/002 Dt.27.08.2024

NOTICE INVITING TENDER

CBDA invites sealed tenders for **'Complete Design, Engineering fabrication with Installation & Commissioning of Water Heater cum steam generator at 1G bio-ethanol demonstration plant, Vill: Godhi, Dist. Durg for R&D purpose'.**
For details, refer website: *www.cbda.in*
Pre-bid Meeting: 05.09.2024 at 15:00 hrs.
Last date of submission of Bid & Time: 16.09.2024 till 15:00 hrs.
Date & Time for Technical Bid opening: 16.09.2024 till 15:30 hrs.
CBDA reserves all rights to accept/reject any or all tenders in full/part without assigning any reasons.
Assistant Project Officer-PC(I)
S-41236/2

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजु में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

फसलों का होगा डिजिटल सर्वे, हर गांव के लिए चुने जाएंगे 20 सर्वेक्षणकर्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एग्रीस्टेक परियोजना के अंतर्गत राज्य के सभी जिलों में खरीफ-2024 में लगाए जाने वाले फसलों का डिजिटल फसल सर्वेक्षण होगा। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित धमतरी, महासमुंद और कबीरधाम जिले के सभी गांवों तथा अन्य जिलों के चयनित गांवों में डिजिटल फसल सर्वेक्षण होगा। डिजिटल फसल सर्वेक्षण 9 सितम्बर से प्रारंभ होकर 30 सितम्बर तक चलेगा।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण के लिए प्रत्येक ग्राम में अधिकतम 20 सर्वेक्षणकर्ताओं का चयन किया जायेगा। सर्वेक्षणकर्ताओं का चयन पटवारी के माध्यम से तहसीलदार द्वारा किया जाएगा। डिजिटल सल सर्वेक्षण किये जाने हेतु प्रत्येक सर्वेक्षण कर्ता महिला या पुरुष को न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। प्राथमिकता का क्रम क्रमशः कृषि स्नातक, विज्ञान स्नातक, विज्ञान से 12 वीं पास, 12वीं पास, 10वीं पास होगा। चयनित सर्वेक्षणकर्ताओं का प्रशिक्षण 7 सितम्बर तक दिया जाएगा।

सर्वेक्षणकर्ताओं के पास स्वयं का एड्रायड मोबाइल वर्जन 9. हो जिसमें इंटरनेट होना आवश्यक है। सर्वेक्षण कर्ता का बैंक खाता एवं आधार नंबर होना आवश्यक हैं। सर्वेक्षण कर्ता की आयु 18 वर्ष से ऊपर हो। सर्वेक्षणकर्ता संबंधित ग्राम का ही निवासी हो। सर्वेक्षण कर्ता सर्वेक्षण के दौरान ग्राम में आवश्यक रूप से उपलब्ध हो। ग्राम के निवासी समुचित संख्या में उपलब्ध नहीं होने पर तहसीलदार द्वारा निकटवर्ती ग्राम के निवासी को अथवा कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि महाविद्यालय या उद्यानिकी महाविद्यालय के विद्यार्थी को चयनित किया जा सकेगा।

प्राप्त आवेदनों के आधार पर सभी आवेदकों को प्राथमिक स्तर पर काम सौंपा जा सकेगा। भूमिस्वामी या कृषक जो किसी भी उम्र या शैक्षणिक योग्यता के हों, भी स्वेच्छा से अपने सर्वेक्षण नंबर (खेत) का डिजिटल फसल सर्वेक्षण कर सकता है, उन्हें इस हेतु कोई भी मानदेय प्रदाय नहीं किया जाएगा। सर्वेक्षण कर्ताओं को प्रशिक्षण तहसील अंतर्गत राजस्व निरीक्षक मण्डल स्तर पर प्रदान किया जाएगा। सर्वेक्षण कर्ताओं में परिवर्तन होने पर नवीन सर्वेक्षण कर्ताओं को भी आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। सर्वेक्षण कर्ताओं को प्रत्येक दिवस उनके ग्रामवार संपादित किये जाने वाले फसल सर्वेक्षण कार्य हेतु खसरों का आबंटन तहसीलदार या तहसीलदार द्वारा अधिकृत अधिकारी या कर्मचारी द्वारा किया जाएगा। प्रथम दिवस प्रत्येक पात्र आवेदक को 25 खसरा सौपा जाएगा। सर्वेक्षक के कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता के आधार पर अगले दिवस के लिए नवीन खसरा आबंटित किया जाएगा। सर्वेक्षण की कार्य कुशलता को देखते हुए किसी दिवस विशेष में बार-बार खसरा आबंटित किया जा सकेगा। यह आबंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' के सिद्धांत के आधार पर किया जायेगा।

प्रति खसरा मिलेगा 10 रुपए मानदेय

प्रत्येक सर्वेक्षण कर्ता को प्रत्येक सर्वे के लिए एप के माध्यम से सही सर्वेक्षण एवं अपलोड करने तथा स्वीकृत हो जाने की दशा में 10 रूपये प्रति खसरा मानदेय आधार-संबद्ध बैंक खातों के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। किसी खातेदार द्वारा अपने खाते का स्वयं सर्वेक्षण किये जाने की स्थिति में कोई मानदेय देय नहीं होगा। डिजिटल फसल सर्वेक्षण के अंतर्गत किये गये कार्यों का संबंधित हल्का पटवारी द्वारा पर्यवेक्षण प्रत्येक दिवस किया जाएगा। सर्वेक्षण कर्ता द्वारा डिजिटल फसल सर्वेक्षण के अंतर्गत किये गये प्रविष्टियों का संबंधित राजस्व निरीक्षक द्वारा दो दिवस के भीतर सत्यापन किया जाएगा। डिजिटल फसल सर्वेक्षण के अंतर्गत किये गये कार्यों की जाँच अतिशीघ्र संबंधित तहसीलदार या नायब तहसीलदार द्वारा किया जाएगा।

हल्का पटवारी करेंगे पर्यवेक्षण

डिजिटल फसल सर्वेक्षण के अंतर्गत किये गये कार्यों का संबंधित हल्का पटवारी द्वारा पर्यवेक्षण प्रत्येक दिवस किया जाएगा। सर्वेक्षण कर्ता द्वारा डिजिटल फसल सर्वेक्षण के अंतर्गत किये गये प्रविष्टियों का संबंधित राजस्व निरीक्षक द्वारा सत्यापन किया जाएगा। प्रविष्टि को दो दिवस के भीतर सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा। डिजिटल फसल सर्वेक्षण के अंतर्गत किये गये कार्यों की जाँच अतिशीघ्र संबंधित तहसीलदार या नायब तहसीलदार द्वारा किया जाएगा। सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन श्री अविनाश चंपावत ने सभी कलेक्टरों को पत्र के माध्यम से निर्देशित किया है कि तहसील एवं जिला स्तरीय समिति डिजिटल फसल सर्वेक्षण के कार्यों का सतत् पर्यवेक्षण, नियंत्रण एवं समीक्षा करेंगे। डिजिटल फसल सर्वेक्षण के अंतर्गत समय-सीमा में समस्त कार्यों का गुणवत्तापूर्वक सम्पादन की जिम्मेदारी संबंधित जिला कलेक्टर की होगी।

[खास खबर]

मुख्यमंत्री को दही हांडी उत्सव में शामिल होने मिला निमंत्रण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से यहाँ उनके निवास कार्यालय में सार्वजनिक दही हांडी उत्सव समिति गुढियारी, रायपुर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर 27 अगस्त को आयोजित दही हांडी उत्सव प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए समिति के सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, संयोजक बसंत अग्रवाल, सह-संयोजक हेमेंद्र साहू एवं पदाधिकारीगण उपस्थित थे। संयोजक श्री अग्रवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेश ही नहीं अपितु महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड तथा उड़ीसा एवं अन्य राज्यों से भी गोविंदा टोलियाँ प्रतिभागी के रूप में प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि समिति के द्वारा श्रीकृष्ण भक्तों के मनोरंजन के लिए शिव भजन गायक बाबा हसंराज रघुवंशीजी एवं छत्तीसगढ़ की लाडली बेटियों गरिमा-स्वर्णा दिवाकर के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी तथा उड़ीसा के कलाकारों द्वारा घंटा बाजा का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इसके साथ ही वृंदावन से आई कृष्ण लीला की मनमोहक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

पिछड़ा वर्ग पर शुरु हुआ सर्वे, आयोग करेगा अध्ययन

रायपुर। छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग द्वारा प्रदेश में पिछड़ा वर्ग समुदाय के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उनके आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनैतिक भागीदारी पर अध्ययन करने का निर्णय लिया गया है। आयोग अध्यक्ष आर.एस. विश्वकर्मा की अध्यक्षता में 12 अगस्त 2024 में सर्वे का काम प्रारंभ हो गया है। आयोग द्वारा पिछड़ा वर्ग में शामिल जाति-समूह के संदर्भ में यदि कोई शोध अध्ययन करना चाहते हो तो ऐसे शोधार्थी 30 सितम्बर तक आयोग को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पिछड़ा वर्ग समुदाय के कल्याण के लिए छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन किया गया है। इस आशय की अधिसूचना छत्तीसगढ़ राजपत्र में 27 जून 2020 को प्रकाशित भी की गई है। राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग में कुल 87 जाति समूह को शामिल किया गया है, जिसकी सूची छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की वेबसाइट में उपलब्ध है। शासन द्वारा आयोग के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए आर. एस. विश्वकर्मा को अध्यक्ष, नीलाम्बर नायक, हरिशंकर यादव, यशवंत वर्मा, कृष्णा गुप्ता, श्रीमती शैलेन्द्री परगनिहा को सदस्य मनोनीत किया है। आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर आयोग द्वारा राज्य शासन को उक्त अधिसूचना के क्रमांक 02 अंतर्गत पिछड़ा वर्ग समूहों के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनैतिक सहित अन्य विषयों पर अध्ययन कर शासन को सुझाव प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया है।

पौधरोपण में गड़बड़ी, सरकार ने दिखाया सख्त रूख, अफसरों से वसूले 9.90 लाख

मुख्यमंत्री ने दिए हैं गुणवत्ता वाले पौधे लगाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वन विभाग द्वारा किए गए पौधरोपण कार्यों में अनियमितताएं पाए जाने पर राज्य सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। विभाग के अधिकारियों द्वारा पौधरोपण कार्य में निर्धारित मापदंडों का पालन न करने और लापरवाही बरतने के मामले में असफल वृक्षारोपण पर हुए व्यय को शासन की वित्तीय क्षति माना है। कोरबा और राजनांदगांव वनमंडल के संबंधित अधिकारियों से इस अनियमितता के चलते 9 लाख 90 हजार 357 रुपये की वसूली की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम को प्रदेश में सफल बनाने के लिए निर्धारित गुणवत्ता के साथ पौधे लगाने एवं उसके पर्यवेक्षण के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य की जा रही है। इस तारतम्य में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वनबल प्रमुख द्वारा वर्ष 2023-24 में विगत वर्षो के वृक्षारोपण में मूल्यांकन के आधार पर असफल वृक्षारोपण से शासन को हुई क्षति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से राशि वसूली की गई है। कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख छत्तीसगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरबा वनमंडल के वनपरिक्षेत्र अधिकारी और राजनांदगांव वनमंडल में संबंधित अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कार्य में लापरवाही बरती गई।

इन मामलों में कुल 9 लाख 90 हजार 357 रुपये की वसूली की गई है। यह राशि उन अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों से वसूली गई है, जिन्हें वृक्षारोपण कार्य में अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार ठहराए गए हैं। कोरबा वनमंडल के तत्कालीन परिक्षेत्र अधिकारी परसखेत योमनलाल ध्रुव से सौल्वा (ब) ऑरेंज एरिया कक्ष क्रमांक 1351 वृक्षारोपण में अनियमितता पाई गई, जिसके कारण उनसे 2 लाख 41 हजार 636 रुपये की वसूली की गई। इसी तरह राजनांदगांव वनमंडल के तत्कालीन परिक्षेत्र अधिकारी बाघनदी बलदाऊ प्रसाद चौबे से कक्ष क्रमांक- आर.एफ 595 रोपण में हुई अनियमितता के लिए 5 लाख 19 हजार 300 रुपये की वसूली की गई। इसके अतिरिक्त वन मंडल कोरबा के तत्कालीन परिक्षेत्र सहायक बाल्को शमशुद्दीन फारूकी से 1 लाख 41 हजार 275 रुपये की वसूली की गई है।

वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि वन विभाग के कार्यों में पारदर्शिता और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करना आवश्यक है और इस दिशा में सरकार कोई समझौता नहीं करेगी। इस पूरे मामले के मद्देनजर वन विभाग के अधिकारियों को सतर्कता बरतने और योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि छत्तीसगढ़ सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त है और वह इसे जड़ से खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

सीएम साय ने किया शाह का आत्मीय स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय प्रवास पर शुक्रवार रात राजधानी रायपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वामी विवेकानंद विमानतल पर केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह का आत्मीय स्वागत किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव और विजय शर्मा, केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू सहित आदिम जाति विकास एवं कृषिमंत्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, उद्योगमंत्री लखनलाल देवांगन, वित्तमंत्री ओपी चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्वमंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक किरण देव, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, पूर्व सांसद सुश्री सरोज पांडेय सहित अनेक जनप्रतिनिधि, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय में त्रिपुरा राज्य के त्रिपुरा-पूर्व लोकसभा क्षेत्र की सांसद एवं कवर्धा राजपरिवार की रानी श्रीमती कृति देवी ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उनके पति कवर्धा राजपरिवार के राजा एवं पूर्व विधायक योगेश्वरराज सिंह भी मौजूद थे।

शहीद संजय का बलिदान अमिट रहेगा-गृहमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने रायपुर के टिकरापारा स्थित संजय नगर के शहीद संजय यादव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शहीद श्री संजय यादव की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि शहीद संजय यादव का बलिदान छत्तीसगढ़ के इतिहास में अमिट रहेगा।

उन्होंने कहा कि नक्सलियों से लड़ाई लोकतंत्र बचाने की लड़ाई है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले का एहसान हम सभी पर है। उन्होंने कहा कि शहीद संजय यादव के परिवारजनों की बेहतर शिक्षा-दीक्षा के परिणामस्वरूप ही वे जीवन के सर्वोच्च बलिदान देने के लिए आगे बढ़े। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार उन सभी शहीदों का स्मारक बनवाएगी, जिन्होंने अपने जीवन को लोकतंत्र और समाज की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया है। यह निर्णय छत्तीसगढ़ के वीर सपूतों के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक होगा।

गौरतलब है कि शहीद प्रधान आरक्षक संजय यादव का जन्म 21 मार्च 1974 को जिला रायपुर के टिकरापारा में हुआ। उनकी माता का नाम श्रीमती श्यामा बाई यादव और पिता का नाम बरातुराम यादव है। बचपन से ही मेधावी और अनुशासित छात्र संजय यादव ने अपनी प्राथमिक शिक्षा टिकरापारा के नुतन शासकीय स्कूल और खालसा स्कूल, रायपुर से प्राप्त की। संजय यादव ने 4 सितंबर 1998 को रायपुर नगर सेवा में भर्ती होकर 07 वर्षों तक सेवा दी। 2005 में वे जिला राजनांदगांव में जीडी आरक्षक के पद पर भर्ती हुए और पुलिस विभाग में अपनी सेवाएँ दीं। 2008 में उनके उत्कृष्ठ कार्य और नक्सली नेटवर्क को तोड़ने के कारण उन्हें आउट ऑफ प्रमोशन देकर प्रधान आरक्षक के पद पर प्रमोट किया गया।

12 जुलाई 2009 को संजय यादव ने राजनांदगांव क्षेत्र के मदनवाड़ा थाना मोहला के अंतर्गत कोरकटटी में नक्सली मुठभेड़ के दौरान तत्कालीन पुलिस अधीक्षक शहीद विनोद चौबे के साथ अदम्य साहस का परिचय देते हुए वीरगति प्राप्त की।

प्रधानमंत्री जनमन योजनाः पीवीटीजी परिवारों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

शुरू हुआ मेगा ईवेंट और आईईसी कैंपेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिमजाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम की पहल पर छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजातीय बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबुझमाड़िया एवं बिरहोर बाहुल बसाहटों में राज्य और केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए 23 अगस्त से 10 सितंबर तक मेगा अभियान चलेगा। राज्य के 18 जिलों में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) संचालित है। इन जिलों में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा आगामी सितम्बर माह में मेगा ईवेंट और आईईसी कैंपेन का आयोजन होगा। माह सितम्बर के प्रथम सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल होकर विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के साथ संवाद करेंगे। गौरतलब है कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवम्बर 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम जनमन का शुभारंभ किया था।

आदिमजाति तथा अनुसूचितजाति विकासमंत्री रामविचार नेताम ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पीएम जनमन योजना के तहत झारखंड में आयोजित किए जा रहे हैं राष्ट्रीय मेगा ईवेंट में शामिल होंगे तथा देश के सभी पीवीटीजी बसाहट वाले जिलों को संबोधित करते हुए टू वे कनेक्टिविटी के माध्यम से संवाद स्थापित करेंगे। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजाति वाले किसी एक जिले में राज्य स्तरीय मेगा ईवेंट के लिए चिन्हित किया जाएगा।

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि मेगा ईवेंट के अतिरिक्त बाकी सभी पीएम-जनमन के जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन सभी आयोजनों में झारखण्ड राज्य से प्रधानमंत्री का संबोधन और संवाद सुचारु रुप से देखने और सुनने के लिए टू-वे-कनेक्टिविटी की आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है। इन आयोजनों में स्थानीय विधायकगण और अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम में केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति को लाभान्वित किया जाएगा। इस दौरान सास्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि लाभार्थी संतृप्ति शिविरों का आयोजन 23 अगस्त से शुरू हो गया है जो 10 सितंबर तक चलेगा। इन शिविरों के माध्यम से आधार कार्ड, जनधन खाता, आयुष्मान कार्ड, वन अधिकार पत्र राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम मातृत्व वंदना योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सिकलसेल की जांच एव मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं आदि से लाभान्वित की जानी है। इसका उद्देश्य सभी पीवीटीजी बसाहटों में तात्कालिक गतिविधियों की शत-प्रतिशत संतृप्ति की जानी है।

लाभार्थी संतृप्ति शिविर गहन रूप से सभी पीवीटीजी बसाहटों, जिलों में चलाए जाएंगे। इस लाभार्थी संतृप्ति शिविर का मुख्य फोकस यूआईडीएआई के तहत नामांकन एवं आधार कार्ड जारी करना, पीएम जनधन के तहत बैंक खाता खोलना, सभी पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान भारत कार्ड बनाना, सभी पीवीटीजी को सामुदायिक प्रमाण पत्र जारी कर वन अधिकार पत्र जारी करना तथा पीवीटीजी बसाहटों में सिकलसेल बीमारी की जांच आदि कार्य किए जाएंगे। पीएम-जनमन के अंतर्गत स्वीकृत गतिविधियों जैसे प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण), संपर्क सड़क, मोबाइल मेडिकल यूनिट, नल से जल, विद्युतिकरण आदि की जानकारी दी जाएगी। प्रदेश में भारत सरकार द्वारा घोषित 05 विशेष रुप से कमजोर जनजाति समूह क्रमशः बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर जनजाति समूहों तथा बसाहटों के त्वरित विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) योजना क्रियान्वित की जा रही है।

मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में प्राथमिकता से हो रहा है समस्याओं का समाधान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप सुशासन का एक बेहतर मॉडल पेश करते हुए आमजनों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण किया जा रहा है। लोगों की मूल प्राथमिकताओं में से एक बिजली की व्यवस्था शहरी इलाकों के साथ ही ग्रामीण अंचलों में निर्बाध रूप से संचालित हो इसके लिए विद्युत विभाग दिन हो या रात प्राथमिकता के साथ कार्य कर रही है। इसी कड़ी में जशपुर जिले के नारायणपुर डिस्ट्रीब्यूशन केन्द्र के अंतर्गत ग्राम कुहापानी एवं चराईमारा में ट्रासंफार्मर खराब होने की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय, बगिया में आवेदन किया। कैंप कार्यालय के निर्देश पर विद्युत विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हए कुहापानी का ट्रासंफार्मर बदल दिया गया है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चराईमारा का ट्रासंफार्मर बदल दिया जाएगा। इसी तरह से तहसील फरसाबहार के अंतर्गत ग्राम पंचायत पगुराबहार (सरईटोली) के निवासियों ने ट्रांसफार्मर के खराब होने एवं बिजली का तार पोल से गिर जाने से विद्युत सप्लाई में अवरोध की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन किया। कैंप कार्यालय के निर्देश पर विद्युत विभाग द्वारा इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए वहां पर 25 केव्ही का ट्रांसफार्मर और केबल लगा दिया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950